www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 212 || अम्बेडकरनगर
रविवार
25 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:10
सूर्यास्तः 05:29
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 19°00

पेज 07

विशेष समाचार
कलाकार हैं स्वप्नद्रष्टा और ... >>पेज 04
सांसद इमरान मसूद आधी ... >>पेज 06
वामिका गब्बी से कहा गया ...

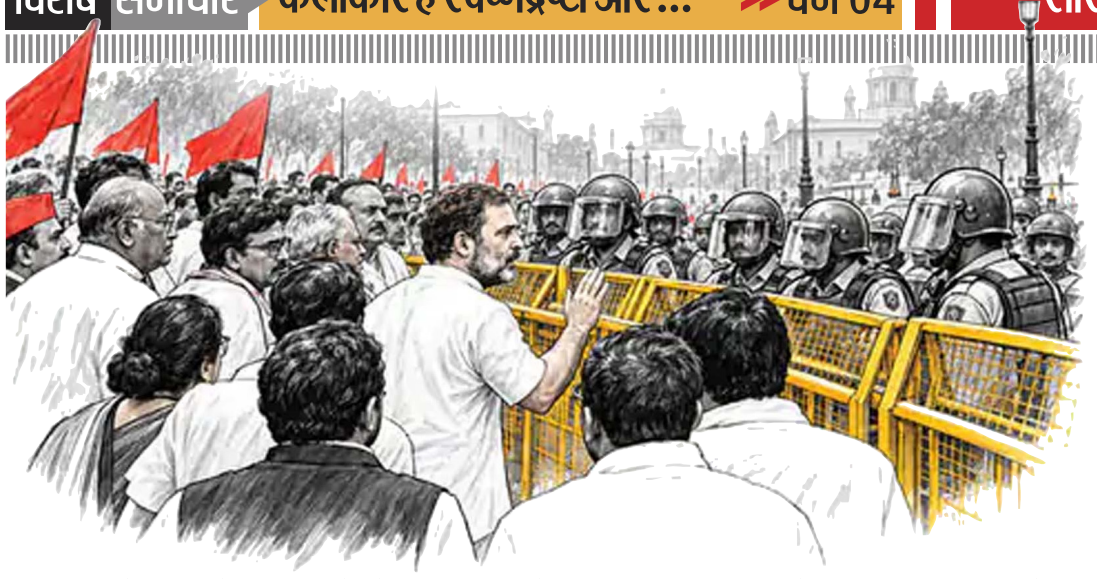

राहुल से कारोबारी बोले-दिल्ली में 10 हजार करोड़ नुकसान होगा

राहुल से एक नवंबर को रैली न करने की अपील

रामलीला मैदान के 5 किमी के दायरे में चांदनी चौक और कनॉट प्लेस समेत 8 बड़े बाजार हैं। व्यापारी संगठन सीएआईटी के मुताबिक, 2025 में इन बाजारों में दिवाली पर त्योहारी बिक्री 75,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई थी।

गुजारिश

- पिछले दिवाली सीजन लगभग 75,000 करोड़ बिक्री हुई

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली । चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से INDIA ब्लॉक की रैली टालने की अपील की है।

CTI ने शनिवार को लेटर लिखकर कहा कि 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली 10 नवंबर के बाद की जाए। संगठन ने दिवाली फेस्टिवल सीजन में 10 हजार करोड़ रुपए के व्यापारिक नुकसान की चेतावनी दी है। दरअसल, 1 नवंबर को रामलीला मैदान में SIR और ज्ञानेश कुमार के विरोध में INDIA ब्लॉक की रैली है। INDIA ब्लॉक के नेताओं ने SIR और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 6 से 13 अक्टूबर के बीच 8 बार प्रदर्शन किए। >> (शेष पेज 06 पर)

व्यापारी बोले- दिवाली व्यापार का पीक सीजन

दिवाली व्यापार का पीक सीजन: व्यापारियों ने कहा- धनतेरस, दीपावली और भैया दूज के दौरान दिल्ली में लगभग 25 हजार करोड़ रुपए का बड़ा कारोबार होता है।

पहले हुआ नुकसान: दावा किया गया कि रैलियों और रास्ते बंद होने से दिल्ली के व्यापारियों को अक्टूबर में पहले ही लगभग 3 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

प्रमुख बाजारों पर असर: कारोबारियों ने कहा- रामलीला मैदान के 5 किमी के दायरे में चांदनी चौक और सदर बाजार जैसे 20 बड़े बाजार हैं, जहां ट्रैफिक डायवर्जन व बैरिकेडिंग से कामकाज ठप हो सकता है।

बाहरी खरीदारों को परेशानी: व्यापारियों ने कहा- नई दिल्ली और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पास होने के कारण बाहर से आने वाले लाखों खरीदारों व व्यापारियों की आवाजाही प्रभावित होगी।

8 दिन में 6 बार साथ आया विपक्ष

1 **6 अक्टूबर**
राहुल गांधी और INDIA ब्लॉक के सांसदों ने मार्च निकाला। पुलिस ने रास्ते में रोक दिया।

2 **7 अक्टूबर**
मल्लिकार्जुन खड़गे ने सागर रत्ना रेस्टोरेंट में विपक्षी सांसदों के साथ बैठक की। इसके बाद विरोध प्रदर्शन हुआ।

3 **8 अक्टूबर**

खड़गे ने मोएट्स रेस्टोरेंट में बैठक की। राहुल गांधी समेत विपक्षी नेता राजघाट पहुंचे और प्रदर्शन किया।

4 **9 अक्टूबर**

राहुल गांधी, खड़गे, ममता बनर्जी समेत विपक्षी नेताओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को कथित 'वोट चोरी' के आरोपों पर ज्ञापन सौंपा।

5 **12 अक्टूबर**

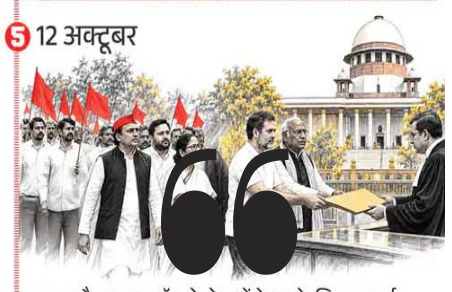

राहुल और INDIA ब्लॉक के नेताओं ने SIR के खिलाफ मार्च निकाला और सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की।

6 **13 अक्टूबर**

राहुल ने INDIA ब्लॉक के नेताओं, छात्र संगठनों और सिविल सोसाइटी के सदस्यों को अपने घर चाय पर बुलाया।

रामलीला मैदान से पुरानी दिल्ली तक 1 लाख दुकानें

व्यापारियों का दावा है कि सिर्फ दिल्ली के चांदनी चौक में 75,000 से ज्यादा दुकानें हैं। सदर बाजार में दुकानों की संख्या 15,000 से 40,000 के बीच है, और यहां 50,000 से 70,000 लोग आते हैं।

चावडी बाजार के कागज के कारोबार में 1,000 से ज्यादा व्यापारी हैं। सब मिलाकर रामलीला मैदान के आसपास के पुरानी दिल्ली के बाजारों में एक लाख से ज्यादा दुकानें हो सकती हैं।

जदयू ने अनंत सिंह को पार्टी से निकाला

पटना। मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह को जदयू ने 6 साल के लिए पार्टी से निकाल दिया है। अनंत सिंह कुछ दिनों से लगातार पार्टी लाइन से हटकर बयान दे रहे थे। पार्टी के सीनियर नेताओं के लिए अमर्यादित और अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया था। विधान परिषद चुनाव में पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ प्रचार कर रहे थे।

पार्टी की प्राथमिक सदस्यता को तत्काल प्रभाव से रद्द करते हुए, उन्हें अगले 6 वर्षों के लिए पार्टी से निकाल दिया गया है।

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाना ने आदेश जारी किया है। उन्होंने विधानसभा स्पीकर से अनंत सिंह की सदस्यता रद्द करने की अनुशांसा की है। पटना में अनंत सिंह ने पार्टी लाइन से हटकर जनसुराज के प्रत्याशी को लेकर प्रचार किया। पटना में अनंत सिंह ने पार्टी लाइन से हटकर जनसुराज के प्रत्याशी को लेकर प्रचार किया।

मुंबई में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा संदिग्ध गिरफ्तार

फोन में मसूद अजहर की ऑडियो क्लिप मिली

जांच

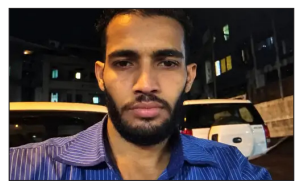

- सोशल मीडिया और टेलीग्राम ग्रुप से मिला सुराग
- 10 साल से मुंबई में रह रहा था आरोपी

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। मुंबई एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने माहिम इलाके से 33 साल के मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर को गिरफ्तार किया है। उस पर आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने का आरोप है। आरोपी बिहार का रहने वाला है और मुंबई में रैपिडो ड्राइवर था। ATS के मुताबिक, आरोपी के मोबाइल फोन की जांच में भड़काऊ पोस्ट और जैश-ए-मोहम्मद सरगना मसूद अजहर की ऑडियो क्लिप मिली हैं। जांच एजेंसी उसके सोशल मीडिया अकाउंट और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ी गतिविधियों की भी जांच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी की सोशल मीडिया गतिविधियों और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़े सुरागों के आधार पर मामला सामने आया। >> (शेष पेज 06 पर)

जामिया के 5 स्टूडेंट 13वें दिन भी भूख हड़ताल पर क्लासेस ऑनलाइन हुईं

मांग- छात्र संघ बहाल हो, यहां 20 साल से चुनाव नहीं हुए

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के पांच छात्रों की भूख हड़ताल शनिवार को 13वें दिन भी जारी है। छात्र जामिया में स्टूडेंट्स यूनियन (JMISU) बहाल करने और चीफ प्रॉक्टर को हटाने की मांग कर रहे हैं। जामिया की छात्र यूनियन को मार्च 2006 में भंग कर दिया गया था।

इस बीच मैनेजमेंट ने सभी कोर्स की कक्षाएं ऑनलाइन करने का ऐलान कर दिया है। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक लागू रहेगी। यूनिवर्सिटी ने नोटिस में सभी डीन, विभागाध्यक्ष, निदेशकों, शिक्षकों और नियमित छात्रों को ऑनलाइन क्लासेस के शेड्यूल का पालन करने को कहा है। नोटिस में शिक्षकों से ऑनलाइन क्लासेस की व्यवस्था करने को कहा गया है। साथ ही, छात्रों को जरूरी मदद देने के निर्देश दिए गए हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

एआईएसए का प्रशासन पर आरोप

AISA ने प्रेस रिलीज में कहा, "भूख हड़ताल कर रहे छात्रों और प्रदर्शन स्थल पर हमला किया जा रहा है। यह जामिया प्रशासन का सबसे क्रूर चेहरा दिखाता है।" प्रदर्शन शुरू होने के बाद से भूख हड़ताल कर रहे जासिम अली खान ने यूनिवर्सिटी प्रशासन पर कार्रवाई करने का आरोप लगाया। उन्होंने छात्रों का निलंबन रद्द करने की मांग की।

फास्ट न्यूज

टाइगर फायरिंग- हैंडलर ने टीवी देखकर शूटर्स को मैसेज किया

मुंबई। मुंबई में टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग करने वाले शूटर्स को वारदात के बाद भी बाहर से मदद मिल रही थी। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक एक व्यक्ति टीवी न्यूज देखकर उन्हें पुलिस की जांच के अपडेट दे रहा था।

कार्यभार आदेश

रक्षा सचिव राजेश सिंह का कार्यकाल एक साल बढ़ा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह का कार्यकाल एक साल बढ़ा दिया है। अब वे 31 अक्टूबर 2027 तक या अगले आदेश तक जो भी पहले हो, इस पद पर बने रहेंगे। उनका मौजूदा कार्यकाल 31 अक्टूबर 2026 को समाप्त होने वाला था।

राजेश कुमार सिंह ने 1 नवंबर 2024 को 40वें रक्षा सचिव के रूप में कार्यभार संभाला था। 31 अक्टूबर 2027 तक रिटायर होने तक वे करीब 1095 दिन तक इस पद पर रहेंगे। मोदी सरकार में किसी रक्षा सचिव का यह दूसरा सबसे लंबा कार्यकाल होगा।

नेहा बोरा बोलीं- पीस बॉन्ड साइन नहीं करूंगी

नई दिल्ली । ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष नेहा बोरा शनिवार को स्पेशल एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (SEM) कोर्ट पहुंची।

SEM कोर्ट ने पुलिस को नेहा बोरा के वकील को संबंधित दस्तावेज सौंपने का निर्देश दिया। कोर्ट ने उनके वकील को जवाब दाखिल करने के लिए समय भी दिया।

केरलम राज्यपाल ने पद संभालते ही लोकभवन में नॉनवेज रोका

कांग्रेस बोली- क्या खाना है, यह लोग तय करेंगे

रोक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के पद संभालने के कुछ घंटे बाद ही लोकभवन में मांसाहारी खाना बनाने और परोसने पर रोक लगा दी।

कांग्रेस और विपक्षी CPI(M) ने इस फैसले की आलोचना की। कांग्रेस ने कहा कि क्या अब राज्यपाल तय करेंगे कि क्या खाना है। राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि माथुर शाकाहारी हैं। इसी वजह से उन्होंने यह बदलाव कराया। सूत्रों ने साफ किया कि लोकभवन के कर्मचारियों के खाने पर कोई रोक नहीं लगाई गई है।

माथुर ने शुक्रवार सुबह केरलम के 29वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सौमेन सेन ने उन्हें पद की शपथ दिलाई थी। केरलम में 97% लोग मांसाहारी हैं।AICC महासचिव और अलप्पुझा लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सिर्फ शाकाहारी खाना बनाने का निर्देश देकर राज्यपाल ने हद पार कर दी है। >> (शेष पेज 06 पर)

- कांग्रेस ने कहा- राज्यपाल ने हद पार कर दी

अंतरराष्ट्रीय 'टेक संगम 2026' में योगी ने कहा- 'सीआईडी' की रील लाइफ अब यूपी में रियल लाइफ बनी

'एआई मददगार हो, निर्णायक नहीं'

कार्यक्रम

देश के पहले 'एलईएक्सक्यू सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का शुभारंभ, क्वांटम तकनीक और कानून के समन्वय को मिलेगी गति

2030 तक पांच गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता का लक्ष्य, यूपी में 2017 के बाद लगे 35 हजार नए उद्योग

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीपफेक जैसी तकनीकों के दौर में अपराधी कितना भी तकनीक का आवरण ओढ़ ले, उत्तर प्रदेश की वैज्ञानिक और विधिक क्षमता उसे खोज निकालेगी। एआई हमारे लिए मददगार हो सकता है, लेकिन उसे निर्णायक नहीं बनना चाहिए। तकनीक का संचालन मानव विवेक से होना चाहिए, न कि मनुष्य तकनीक के विवेक पर निर्भर हो जाए। पूरी तरह एआई पर निर्भरता भविष्य में संकट बन सकती है। वैज्ञानिक साक्ष्यों, फॉरेंसिक जांच और आधुनिक तकनीक के समन्वय से अपराध अनुसंधान को प्रभावी बनाने के साथ न्याय मिलने में होने वाली देरी को भी कम किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री शनिवार को लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस) में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'टेक संगम 2026' को संबोधित कर रहे थे। >> (शेष पेज 06 पर)

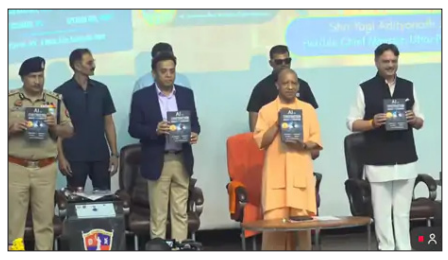

सम्मेलन के दौरान सीएम योगी ने 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन कंस्ट्रक्शन' पुस्तक का विमोचन किया।

भू-माफिया से मुक्त कराई गई जमीन पर बना विश्वस्तरीय संस्थान

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था में आए बदलाव का उल्लेख करते हुए बताया कि करीब 100 एकड़ की जिस जमीन पर आज विश्वस्तरीय फॉरेंसिक संस्थान खड़ा है, उस पर कभी लखनऊ के एक बड़े भू-माफिया का कब्जा था। उस समय पुलिस भी इस मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पा रही थी। वर्ष 2017 में पुलिस अधिकारियों से इसकी जानकारी मिलने के बाद जांच कराई गई और भू-माफिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। दूसरी एफआईआर दर्ज होते ही उसने आत्मसमर्पण कर जमीन छोड़ दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक दशक पहले लखनऊ में साइबर फॉरेंसिक और क्वांटम तकनीक जैसे विषयों पर चर्चा करना भी सपने जैसा लगता था। आज उसी जमीन पर बना संस्थान प्रदेश में वैज्ञानिक जांच, आधुनिक अपराध अनुसंधान और तकनीकी शिक्षा को नई दिशा दे रहा है।

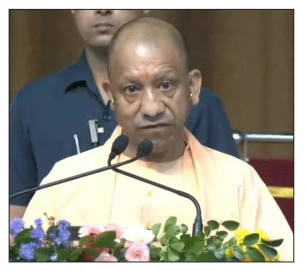

- अपराधी कितना भी डीपफेक का आवरण ओढ़े, उसे खोज निकालेंगे: मुख्यमंत्री
- भू-माफिया से मुक्त कराई गई 100 एकड़ जमीन पर खड़ा है विश्वस्तरीय फॉरेंसिक संस्थान: मुख्यमंत्री

संबोधन : फारूक बोले- दिल्ली की नीयत ठीक नहीं, हक के लिए लड़ो, वरना मिट जाओगे

पाकिस्तान कश्मीर का मुद्दा उठाकर हमें बचा रहा : फारूक

तमसा संकेत, एजेंसी

बारामूला । जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को एक बार फिर कश्मीर का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की सरकार हमारी मदद नहीं कर सकती। हमारे पड़ोसी को देखिए वह हर जगह कश्मीर का मुद्दा उठा रहा है। वह हमें बचा रहा है, वरना हमारी सरकार की नीयत ठीक नहीं है। बारामूला में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए फारूक ने कहा- केंद्र सरकार बड़े-बड़े दावे करती हैं और बातचीत की बातें करते हैं, लेकिन दिल्ली से आप क्या उम्मीद कर सकते हैं। उनका सामना कीजिए। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे, तो हमारी पहचान मिट जाएगी। >> (शेष पेज 06 पर)

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला शनिवार को बारामूला में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

दिल्ली से आप क्या उम्मीद कर सकते हैं? वे आपके साथ खड़े होंगे? नहीं। हिम्मत रखिए और उनका सामना कीजिए।

फारूक अब्दुल्ला
जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम

भाजपा बोली- अब्दुल्ला के भीतर का पाकिस्तान प्रेम जाग जाता है

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने कहा, फारूक अब्दुल्ला के भीतर का पाकिस्तान समय-समय पर जाग जाता है। जब उनके अंदर का पाकिस्तान सामने आता है, तो वे इस तरह के गैर-जिम्मेदाराना बयान देते हैं। ऐसे बेतुके बयान देने से पहले फारूक अब्दुल्ला को सोचना चाहिए।" विश्व हिंदू परिषद (VHP) के नेता विनोद बंसल ने कहा, कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और हमेशा रहेगा। ये भारत में रहते हैं और पाकिस्तान की तारीफ करते हैं। क्या पाकिस्तान की वजह से कश्मीर सुरक्षित है या भारत की ताकत के दम पर पाकिस्तान को दिखाने से कश्मीर सुरक्षित है? अगर उनका यह बयान है, तो इससे बड़ा देशद्रोह कोई नहीं है।

भाजपा शासित राज्यों में बुलडोजर चल रहा

भारत के बाकी हिस्सों में जहां भाजपा की सरकार है, क्या आप देख रहे हैं कि कैसे लोगों की बस्तियां उजाड़ी जा रही हैं, उनके घरों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं और उनकी दुकानें तोड़ी जा रही हैं? क्या आपसे कुछ छिपा है।

सुप्रीम कोर्ट का पैनल जंतर-मंतर हिंसा से जुड़ी शिकायतें सुनेगा

गवाह ऑनलाइन भी दे सकेंगे बयान

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की हाई पावर्ड इंक्वायरी कमेटी 29 अक्टूबर को जंतर-मंतर हिंसा की सुनवाई करेगी। इस दौरान कोई भी व्यक्ति प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई से जुड़े सबूत पेश कर सकता है।

कॉकरोच जनता पार्टी ने नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर 36 दिन प्रदर्शन किया था। 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प हुई थी। इस दौरान 150 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर बदसलूकी के अलावा पैनल पैलेट गन के इस्तेमाल और महिला प्रदर्शनकारियों से बदसलूकी के आरोप लगाए थे। यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों की जांच के लिए 18 अगस्त को हाई पावर्ड इंक्वायरी कमेटी बनाई थी। अब यह कमेटी शुक्रवार की सुबह 11 बजे से शिक्षा सदन, 17 राउज एवेन्यू इंस्टीट्यूशनल एरिया में बने पैनल ऑफिस सुनवाई करेगी। >> (शेष पेज 06 पर)

- ऑनलाइन भी जमा कर सकेंगे बयान और सबूत

सुखोई ने स्टंट दिखाए, हेलिकॉप्टर्स ने तिरंगा बनाया ■ एयर शो देख विदेशी बोले- मजा आ गया

क्रूज पर हेलिकॉप्टर से उतरे कमांडो

आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में शनिवार को एयर शो का दूसरा दिन रहा। सारंग हेलिकॉप्टरों ने गंगा के ऊपर आसमान में तिरंगा बनाया। घाटों की परिक्रमा की। कमांडोज नमो घाट पर हेलिकॉप्टर से रस्सी के सहारे क्रूज पर उतरे। फिर कुछ ही देर में हेलिकॉप्टर पर वापस चढ़ गए।

राफेल और सुखोई जैसे 52 लड़ाकू विमानों की गर्जना से नमो घाट गूंज उठा। हवा में सुखोई की कलाबाजियां देखकर लोग तालियां बजाते रहे। लड़ाकू विमान कभी हवा में अचानक मुड़ जाते, तो कभी नीचे जमीन की तरफ आने लगते, फिर अचानक ऊपर की ओर मुड़कर गोल-गोल गुलाटियां मारने लगते।

एयर शो में कुल 100 विमानों ने हिस्सा लिया। इनमें 15 परिवहन विमान, 32 हेलिकॉप्टर और विंटेज विमान सारनाथ भी शामिल रहे। विमानों ने देशभर के 12 एयरबेस से उड़ान भरकर काशी के आसमान में करतब दिखाए। एयरशो देखने के लिए भारी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। विदेशी पर्यटकों ने कहा कि विमानो का करतब मजा आ गया।

25 अक्टूबर को एयरशो का तीसरा यानी आखिरी दिन है। इस दौरान PM मोदी भी काशी पहुंचेंगे। इंडियन एयरफोर्स के 94वें स्थापना वर्ष पर एयर शो का आयोजन किया जा रहा है।

सूर्य किरण विमानों की कलाबाजी के साथ खत्म हुआ एयर शो

वाराणसी में आयोजित एयर शो का समापन सूर्य किरण एरोबैटिक टीम के विमानों की शानदार कलाबाजी के साथ हुआ। आसमान में विमानों के करतब देखकर घाटों पर मौजूद दर्शक रोमांचित हो उठे।

वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के ऊपर भी एयर शो का नजारा देखने को मिला। आसमान में फाइटर प्लेन चक्कर लगाते नजर आए। इसे देखकर एयरपोर्ट के आसपास मौजूद लोगों का ध्यान भी आसमान की ओर गया।

काशीवासी बोले- एयरफोर्स का शुक्रिया, बनारस में इतना शानदार शो दिखाया

काशी के एक स्थानीय निवासी ने बताया कि वह पिछले तीन-चार दिनों से एयर शो को लेकर काफी उत्साहित थे। अब शो देखकर उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है। उन्होंने भारतीय वायुसेना का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि बनारस में इतना शानदार एयर शो दिखाया जा रहा है, यह उनके लिए खुशी की बात है।

■ एयर शो के पहले दिन नमो घाट और श्री काशी विश्वनाथ धाम (ललिता घाट) के सामने चिनूक हेलिकॉप्टर ने वाटर टच-एंड-गो का अभ्यास दिखाया।

■ सेना के कमांडोज हेलिकॉप्टर से रस्सी के सहारे क्रूज पर उतरते हुए दिखे।

एयर शो के बाद रनवे पर लौटे फाइटर प्लेन और सूर्य किरण विमान

वाराणसी में एयर शो खत्म होने के बाद फाइटर प्लेन, सूर्य किरण विमान और अन्य विमान एयरपोर्ट पहुंचे। सभी विमानों की वापसी के बाद रनवे पर चहल-पहल दिखाई दी। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ विमानों को बमरौली स्थित प्रयागराज एयरबेस और अंधऊ हवाई पट्टी सहित भारतीय वायुसेना के अन्य एयरबेस पर भेजा गया। एयर शो में शामिल विमानों को उनके निर्धारित ठिकानों पर रवाना किया गया।

मिला। आसमान में फाइटर प्लेन चक्कर लगाते नजर आए। इसे देखकर एयरपोर्ट के आसपास मौजूद लोगों का ध्यान भी आसमान की ओर गया।

वाराणसी में एयर शो के दौरान वायुसेना के जवानों ने स्पाइकिंग तकनीक का प्रदर्शन किया। जवान हेलिकॉप्टर से रस्सी के सहारे गंगा में खड़े क्रूज पर उतरे और अपना करतब दिखाया।

इस तकनीक का इस्तेमाल उन स्थितियों में किया जाता है, जब हेलिकॉप्टर को जमीन पर उतारना संभव नहीं होता।

फास्ट न्यूज

29-30 अक्टूबर को बारिश-आंधी के आसार

गोरखपुर। गोरखपुर में अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। रात के समय तापमान में गिरावट से हल्की ठंडक बढ़ने लगी है, जबकि दिन में तेज धूप निकलने से लोगों को अभी भी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार सुबह आसमान साफ रहने के साथ धूप खिली रही।

मौसम के इस बदलते मिजाज के बीच आने वाले दिनों में भी दिन और रात के तापमान में अंतर बना रह सकता है।

काशी में 400 ग्राम चांदी से बना राफेल, कीमत 1 लाख

वाराणसी । वाराणसी में चल रहे भव्य एयर शो से प्रभावित और प्रेरित होकर काशी में 400 ग्राम चांदी का इस्तेमाल कर राफेल का मॉडल तैयार किया गया है। यह मॉडल गुलाबी मीनाकारी के नेशनल अवार्डी कुंज बिहार सिंह ने तैयार किया है। एयर शो के समापन समारोह पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री को इस लड़ाकू विमान का मॉडल भेंट कर उनका स्वागत काशी में करेंगे। इसकी कीमत एक लाख रुपए के करीब बताई जा रही है। कुंज बिहारी के अनुसार इस राफेल को बनाने में एक महीना का समय लगा है ।

धनंजय मिश्रा बने सहायक वाणिज्य प्रबंधक

बंकी (नवाबगंज), बाराबंकी । धनंजय मिश्रा ने पूर्वोत्तर रेलवे में सहायक वाणिज्य प्रबंधक (आईटी एवं रिजर्वेशन), गोरखपुर का पदभार संभाला है। उन्होंने 23 अक्टूबर 2026 को यह नई जिम्मेदारी ली। वाणिज्य लिपिक से गजेटेड अधिकारी बनने तक का उनका सफर प्रेरणादायक है। बाराबंकी के हनुमानपुरी निवासी मिश्रा ने 1995 में रेलवे सेवा शुरू की।

गोरखपुर में रेपिस्ट तांत्रिक को 10 साल की सजा

झाड़-फूंक के बहाने महिला का रेप किया

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । महिला से रेप करने और अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल करने वाले तांत्रिक को कोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई है। शुक्रवार को अदालत ने आरोपी पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

आरोपी झाड़-फूंक के बहाने महिला के संपर्क में आया था। आरोप है कि उसने नशे की गोली खिलाकर रेप किया और मोबाइल से अश्लील वीडियो बना लिया।

घटना जुलाई 2023 की है। वीडियो वायरल करने की धमकी मिलने के बाद पीड़िता ने झंगहा थाने में केस दर्ज कराया था। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत पुलिस ने मामले में सजा दिलाने में मदद की।

देवरिया के रुद्रपुर थाना क्षेत्र के भृगुसारी निवासी ओम प्रकाश निषाद झंगहा इलाके में झाड़-फूंक करता था। उसके पास दूर-दूर से लोग

अपनी समस्याएं लेकर आते थे। इसी दौरान इलाके की 30 साल की महिला भी उसके पास झाड़-फूंक कराने जाती थी।

आरोप है कि एक दिन तांत्रिक ने महिला को नशे की गोली खिला दी। उसके अचेत होने पर रेप किया और मोबाइल से अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने लगा। ब्लैकमेलिंग के जरिए आरोपी महिला के घर आने-जाने लगा। महिला का पति बाहर रहता था। आरोप है कि इसका फायदा उठाकर वह बार-बार घर पहुंचता और महिला पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालता था।

महादेवा कॉरिडोर और हेतमापुर तपोस्थली पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले पूर्व एमएलसी हरगोविंद सिंह

■ लोधेश्वर महादेवा से अयोध्या तक निशुल्क एसी बस सेवा के लिए मुख्यमंत्री ने जताया आभार, युवाओं के रोजगार और क्षेत्रीय विकास के मुद्दे भी उठाए

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शुक्रवार को बाराबंकी के पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता हरगोविंद सिंह ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान रामनगर विधानसभा क्षेत्र सहित बाराबंकी जनपद के विकास, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने,

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने और स्थानीय जनसमस्याओं के समाधान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुलाकात में लोधेश्वर महादेवा कॉरिडोर और सरयू तट स्थित नारायण दास की तपोस्थली हेतमापुर का विषय भी प्रमुखता से उठा। पूर्व एमएलसी हरगोविंद सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनसे लोधेश्वर महादेवा और हेतमापुर की धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्ता के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोधेश्वर महादेवा से अयोध्या तक निशुल्क वातानुकूलित बस सेवा संचालित किए जाने के लिए आभार भी व्यक्त किया। इस बस सेवा को श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक स्थलों के बीच आवागमन को आसान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे क्षेत्र के धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन मिलने और श्रद्धालुओं को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होने की उम्मीद है।

मुलाकात में अमरदीप सिंह भी रहे मौजूद

इस अवसर पर सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र के मोहम्मदपुर खाला के प्रशासक प्रतिनिधि अमरदीप सिंह (मुकुंद) भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। मुलाकात के बाद क्षेत्रीय विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर स्थानीय लोगों में उम्मीद जगी है। लोगों को आशा है कि धार्मिक स्थलों के विकास, युवाओं के रोजगार और क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने से जुड़े विषयों पर आगे सकारात्मक पहल देखने को मिलेगी।

महादेवा कॉरिडोर और हेतमापुर के विकास पर जोर

बैठक के दौरान लोधेश्वर महादेवा मंदिर के विकास और प्रस्तावित महादेवा कॉरिडोर से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। रामनगर क्षेत्र में स्थित लोधेश्वर महादेवा मंदिर जनपद बाराबंकी की प्रमुख धार्मिक पहचान है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर क्षेत्र में सुविधाओं के विस्तार, आधारभूत ढांचे के विकास और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की संभावनाएं क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। इसी क्रम में नारायण दास की तपोस्थली हेतमापुर के विषय में भी मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई। सरयू नदी के तटवर्ती क्षेत्र में स्थित इस धार्मिक स्थल को पहचान दिलाने और यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाओं के विकास पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता पर चर्चा हुई। स्थानीय स्तर पर इन धार्मिक स्थलों का विकास होने से क्षेत्र की पहचान मजबूत होने के साथ ही पर्यटन और रोजगार की संभावनाओं को भी बल मिल सकता है।

बरेली में पिता बोले- लापता लड़की के बाप ने धमकाया, पुलिस टॉर्चर कर रही थी

थाने से 3 दिन बाद छूटे युवक ने किया सुसाइड

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली । बरेली में 20 साल के लड़के ने गुरुवार रात फंदे पर लटककर जान दे दी। परिजनों का कहना है कि 2 महीने से एक नाबालिग लड़की लापता है। मामले में पुलिस ने लड़के को तीन दिन हिरासत रखा। शाम करीब 7 बजे उसे छोड़ा। घर आने के करीब एक घंटे बाद उसने जान दे दी।

परिजनों का आरोप है कि लड़के को बार-बार थाने पर पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा था। 2 महीने से लगातार उसे टॉर्चर कर रहे थे। लड़की के घरवाले भी धमका रहे थे। इससे तंग आकर लड़के ने सुसाइड कर लिया।

शुक्रवार को पुलिस ने लड़की के

पिता पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। मामला जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर भुता थाना क्षेत्र का है। भुता कस्बा निवासी सुरजीत (20) गांव के पास ही एक भट्ठे पर मजदूरी करता था। सुरजीत पांच भाइयों में तीसरे नंबर का था। कस्बे की एक 13 साल की लड़की दो महीने से घर से लापता है। पिता ने सुरजीत पर बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया। इसी मामले में पूछताछ के लिए पुलिस उसे बार-बार थाने पर बुलाती थी। पिछले तीन

■ बेटे सुरजीत की लाश देखकर मां बेसुध हो गई।

शाम 7 बजे घर पहुंचा, 8 बजे फंदे पर लटका

पुलिस के मुताबिक, गुरुवार शाम करीब 7 बजे सुरजीत को थाने से घर भेज दिया गया था। घर पहुंचकर उसने खाना खाया और फिर ऊपर बने कमरे में चला गया। रात करीब 8 बजे परिजन कमरे में पहुंचे तो उसे फंदे पर लटका देखा। इसके बाद घर में चीख-पुकार मच गई।

पिता गंगाराम ने परिजनों की मदद से सुरजीत को नीचे उतारा और अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल की जांच की। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

दिनों से सुरजीत को पुलिस ने थाने पर ही रखा था। इसे लेकर सुरजीत के परिजन और सुरजीत काफी परेशान थे। सुरजीत की मां सावित्री देवी ने आरोप लगाया कि

> पिता गंगाराम ने लड़की के पिता राम अवतार पर बेटे को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। गंगाराम के मुताबिक, थाने से घर लौटने के बाद सुरजीत बाजार गया था। रास्ते में राम अवतार ने उसे रोककर अपनी बेटी को बरामद कराने की बात कहते हुए जान से मारने की धमकी दी। पिता का आरोप है कि इससे डरे और परेशान सुरजीत ने यह कदम उठाया।

भुता थाने का सिपाही रोहित दो महीने से हर तीसरे दिन उनके बेटे को पूछताछ के लिए ले जाता था। इससे सुरजीत मानसिक तनाव में रहता था। मां का यह भी आरोप है कि पुलिस ने थाने में बेटे की पिटाई की थी। उसके शरीर पर चोट के निशान भी थे।

शिक्षक-एमएलसी वोट काउंटिंग में एक शिफ्ट में 16 एजेंट रहेंगे

27 अक्टूबर को 14 टेबल पर 2 शिफ्ट में मतगणना होगी

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव की मतगणना 27 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से होगी। प्रशासन ने इसकी तैयारियां पूरी कर ली हैं। गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में स्ट्रांग रूम बनाया गया है, जहां सभी 17 जिलों के 200 बूथों से आई मतपेटिकाएं रखी गई हैं। मतगणना के लिए 14 टेबल बनाई गई हैं। जरूरत पड़ने पर मतगणना कई शिफ्ट में कराई जाएगी।

मतगणना ड्यूटी में लगाए गए कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रत्येक प्रत्याशी को अपने एजेंट नियुक्त करने के लिए कहा गया है। एक शिफ्ट में 16 एजेंटों की व्यवस्था रहेगी। इनमें 14 एजेंट मतगणना टेबल पर और एक-एक एजेंट रिटर्निंग ऑफिसर (RO) व असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर (ARO) की टेबल पर रहेंगे। यदि

मतगणना तीसरी शिफ्ट तक जाती है, तो पहली शिफ्ट के एजेंटों को दोबारा बैठने की अनुमति दी जाएगी। शुक्रवार की शाम 4 बजे मतगणना समाप्त हो गई थी। उसके बाद हर जिले में बनाए गए बूथों से पोलिंग पार्टियां मतपेटिका लेकर जिला मुख्यालय तक पहुंचीं। वहां से मतपेटिकाओं को गोरखपुर में बनाए गए स्ट्रांग रूम में भेजा गया। दूर स्थित जिलों से मतपेटिका आने में काफी समय लग गया। अंतिम रूप से शनिवार की सुबह करीब पौने 4 बजे मतपेटिका रखने को वोटों के मिलान का काम समाप्त हुआ। उसके बाद प्रत्याशी या उनके अधिकृत एजेंट की देखरेख में स्ट्रांग रूम को सील कर दिया गया।

अभिवादन : चंदौली में कहा- 6 बार का सांसद, विधायक का पिता हूं, राजन महाराज की कथा सुनने पहुंचे

मुझे कोई बाहुबली कहे तो कहे : बृजभूषण

तमसा संकेत, एजेंसी

चंदौली। चंदौली में राजन महाराज की कथा सुनने पहुंचे पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधा। इसके साथ ही खुद को बाहुबली कहे जाने को लेकर भी खुलकर बात की।

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा- लोग मुझे बाहुबली समझते हैं तो समझें। मैं छह बार सांसद रह चुका हूं। मेरी पत्नी भी सांसद थीं। मेरा बेटा सांसद है, दूसरा बेटा विधायक है। मैं सांसद और विधायक का पिता हूं। अब इसे लोग बाहुबली कहते हैं तो मैं तो कहूंगा कि भगवान इतना बाहुबली सबको बनाए।

राजन महाराज की कथा सुनने आ रहे भक्तों के बैठने के लिए 64 हजार वर्ग फीट के दो पंडाल बनाए गए हैं। मुख्य पंडाल 40 हजार

बृजभूषण बोले- विपक्ष तो राम को मानता ही नहीं

बृजभूषण शरण सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा - विपक्ष के लोग भगवान राम के अस्तित्व, रामसेतु और अयोध्या को लेकर सवाल उठाते हैं, लेकिन वे लोग रामकथा के माध्यम से अपना काम करते रहेंगे। इस दौरान उनसे पूछा गया कि अयोध्या-काशी में तो मंदिर बन गया, लेकिन मथुरा में कब बनेगा। जिसका उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

वर्गफीट का है, जिसमें राजन जी महराज मंच से कथा सुना रहे हैं। दूसरा पंडाल 24 हजार वर्ग फीट का है, जो टीनशेड

वाराणसी में एयर शो के चलते हेलीकॉप्टर से नहीं आ सके

ये कथा धानापुर के दशमी तालाब के पास सैय्यदराजा विधानसभा से भाजपा विधायक सुशील सिंह करा रहे हैं। कथा में बृजभूषण को हेलीकॉप्टर से आना था। लेकिन वाराणसी में चल रहे एयर शो के चलते उन्हें हेलीकॉप्टर से आने की अनुमति नहीं मिली। जिसके चलते वो जौनपुर तक हेलीकॉप्टर से पहुंचे। वहां से कार से करीब 100 किमी का सफर कर चंदौली पहुंचे। चंदौली में उन्होंने मंच पर जाकर राजन महाराज का आशीर्वाद लिया। इस कथा में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और भोजपुरी स्टार पवन सिंह भी पहुंचेंगे।

का बना है। कथा में 25 हजार लोगों के लिए भंडारा चलेगा। जिसमें पूड़ी, सब्जी, बूंदी और हलवा का प्रसाद दिया जाएगा। 500 से ज्यादा कारीगरों की टीम लगाई गई

■ राजन महराज की कथा को सुनने 25 हजार से ज्यादा लोग पहुंचे हैं।

है। कथा में रोजना शाम को करीब 20 कुंतल देसी घी के लड्डू बांटे जाते हैं। आयोजन समिति में शामिल प्रधान संघ के अध्यक्ष राजेश सिंह ने दावा किया कि वाराणसी के राजश्री स्वीट हाउस को लड्डू बनाने का कार्य दिया गया है। जहां से रोजाना ताजा लड्डू उपलब्ध कराए जाते हैं। इसके बाद श्रीराम कथा के समापन के बाद प्रसाद के रूप में लड्डू का वितरण किया जाता हैं।

सिलेंडर फटने से जोरदार धमाका, एक की मौत, दमकल की 6 गाड़ियां मौके पर

एमिटी यूनिवर्सिटी के पास 6 दुकानों में लगी आग

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-125 में एमिटी यूनिवर्सिटी के सामने चाय-नाश्ते की करीब 6 दुकानों में शनिवार दोपहर ढाई बजे को आग लग गई। आग टीन शेड से बनी दुकानों में तेजी से फैल गई। इस दौरान छोटे LPG सिलेंडर फटने की आवाजें आईं, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आग बुझाने और रेस्क्यू के दौरान एक व्यक्ति बेहोश मिला। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान साहिल शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आग लगने के बाद काले धुएं का गुबार करीब 2 किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया। लोगों ने इमारतों से

घटना के वीडियो बनाए, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। सूचना मिलने के करीब 20 मिनट बाद दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। एमिटी यूनिवर्सिटी के सामने चाय और खाने-पीने की दुकानें टीन शेड से बनी थीं। आग एक दुकान से दूसरी दुकान तक फैलती चली गई। आग बुझाने के बाद दुकानों के अंदर काफी धुआं भर गया था। यह पता लगाने के लिए कि कहीं कोई अंदर फंसा तो नहीं है, दमकल-कर्मी फायर जैकेट और ऑक्सीजन किट पहनकर अंदर गए। करीब एक घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान एक व्यक्ति को बाहर निकाला गया, जिसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।

सीएफओ प्रदीप कुमार ने बताया- आग काफी बड़ी थी। तुरंत का तुरंत टीमों ने आकर आग पर काबू पाया। सीएफओ प्रदीप कुमार ने बताया- आग काफी बड़ी थी। तुरंत का तुरंत टीमों ने आकर आग पर काबू पाया। दमकल-कर्मियों ने दुकानों से 6 से 7 अधजले सिलेंडर भी निकाले। इन्हें पानी की बौछार डालकर ठंडा किया गया, ताकि दोबारा आग लगने या विस्फोट का खतरा न रहे। आग में दुकानों के अंदर रखा सामान जलकर राख हो गया।

इल्तिफातगंज के डेंटल क्लिनिक का मामला, परिजनों ने संचालक पर सीएचसी में शव छोड़कर जाने का लगाया आरोप

दांत के इलाज के दौरान 20 वर्षीय महिला की मौत

आरोप

- इंजेक्शन के बाद बिगड़ी थी हालत
- इलाज और क्लिनिक के पंजीकरण की जांच पर उठे सवाल

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। इल्तिफातगंज स्थित शिवम डेंटल क्लिनिक में दांत का इलाज कराने पहुंची 20 वर्षीय महिला की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान इंजेक्शन लगाने के बाद महिला की हालत बिगड़ गई। दूसरा इंजेक्शन लगाए जाने के बाद उसकी मौत हो गई। इसके बाद क्लिनिक संचालक पर महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में छोड़कर जाने का आरोप लगा है। मृतका बस्ती जिले के कलवारी थाना क्षेत्र के सेमरी चिलमा बाजार की रहने वाली बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार, महिला दांत का इलाज कराने क्लिनिक पहुंची थी।

> महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह जांच का विषय है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारण का पता चल सकेगा। मामले में पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की ओर से अब तक की गई कार्रवाई की आधिकारिक जानकारी भी सामने आनी बाकी है।

क्लिनिक की वैधता पर भी सवाल

महिला की मौत के बाद क्लिनिक के पंजीकरण और संचालक की शैक्षिक योग्यता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, क्लिनिक के पंजीकरण और संचालक की योग्यता की स्थिति की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि इलाज के दौरान कौन-सा इंजेक्शन दिया गया था और महिला की हालत बिगड़ने की वजह क्या थी।

इलाज के दौरान इंजेक्शन लगाए जाने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। आरोप है कि इसके बाद दूसरा इंजेक्शन लगाया गया, जिसके बाद उसकी हालत और गंभीर हो गई। परिजनों का कहना है कि क्लिनिक संचालक डॉ. एसके प्रजापति महिला को एक निजी अस्पताल ले गया। वहां से जवाब मिलने के बाद उसे सीएचसी पहुंचाया गया। आरोप है कि संचालक महिला को सीएचसी में छोड़कर चला गया। घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी की स्थिति रही।

जनता के लिए जारी सरकारी नंबरों पर संपर्क मुश्किल

जिले के कई अधिकारियों को लेकर भी शिकायतें

तमसा संकेत, संवाददाता

आलापुर एसडीएम के सीयूजी नंबर पर कॉल करने पर नहीं हुआ संपर्क, व्यक्तिगत नंबर पर अर्दली ने उठाया फोन जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए बनाई गई व्यवस्था पर सवाल

अंबेडकरनगर। जनसमस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को उपलब्ध कराए गए सरकारी सीयूजी मोबाइल नंबरों पर संपर्क करना लोगों के लिए मुश्किल होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। आरोप है कि कई बार कॉल करने पर नंबर नेटवर्क से बाहर बताता है या अधिकारी के बजाय उनके सहयोगी कर्मचारी फोन उठाते हैं। जिले के कई अन्य अधिकारियों के साथ भी ऐसी स्थिति होने की शिकायतें हैं। ऐसे में जरूरत के समय संबंधित अधिकारी तक अपनी बात पहुंचाना चुनौती बन सकता है। शनिवार को उपजिलाधिकारी आलापुर विकास यादव से संपर्क करने का प्रयास किया गया। सुबह 11 बजकर 53 मिनट पर उनके सीयूजी नंबर पर कॉल करने पर फोन नॉट रीचेबल बताया गया। इसके बाद उनके व्यक्तिगत मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया, जिसे अर्दली ने उठाया। इस दौरान अधिकारी से सीधे बात नहीं हो सकी। यह एक दिन का दर्ज मामला है। जिले के अन्य अधिकारियों के नंबरों पर भी संपर्क नहीं हो पाने या फोन किसी कर्मचारी द्वारा उठाए जाने की शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही है। हालांकि, इन सभी मामलों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन से जुड़े विवाद, कब्जे की शिकायत और कानून-व्यवस्था के मामलों में लोगों को प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क करना पड़ता है। सीयूजी नंबरों का उद्देश्य भी सरकारी कामकाज और जरूरी सूचनाओं के लिए संपर्क उपलब्ध कराना है।

फास्ट न्यूज

स्वरोजगार के लक्ष्य से पीछे अंबेडकरनगर

अंबेडकरनगर। युवाओं को अपना कारोबार शुरू करने के लिए आर्थिक मदद देने वाली मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की रफ्तार जिले में लक्ष्य के मुकाबले धीमी है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 2,200 युवाओं को योजना का लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके सापेक्ष अब तक 720 युवाओं को बैंकों के माध्यम से ऋण मिल चुका है, जबकि 550 आवेदन अभी बैंक स्तर पर लंबित हैं।

छीतनपट्टी में 25 अक्टूबर से श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ

अंबेडकरनगर। छीतनपट्टी में जगद्गुरु स्वामी श्री मधुसूदनाचार्य द्वारा श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ कल 25 अक्टूबर 2026 से अम्बेडकर नगर, श्री अयोध्या धाम राजसदन के पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी श्री मधुसूदनाचार्य जी कल 25 अक्टूबर 2026 को जनपद के सुविख्यात चिकित्सक डा फतेह बहादुर तिवारी के पैतृक घर ग्राम छीतनपट्टी प्रतावीपुर में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ की पावनधारा में स्नान करायेंगे. श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के मुख्य यजमान बड़ेलाल तिवारी ने बताया कि कथा रविवार 25 अक्टूबर 2026 को कलश यात्रा के पश्चात प्रतिदिन सायं 04 से लेकर 07 बजे तक होगी।

रसूलपुर दरगाह में टावर पर चढ़ा युवक

अंबेडकरनगर। बसखारी थाना क्षेत्र के रसूलपुर दरगाह में शनिवार को एक युवक के टावर पर चढ़ने से हड़कंप मच गया। युवक को टावर पर चढ़ा देख आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत और समझाने-बुझाने के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया। युवक की पहचान रसूलपुर दरगाह निवासी अफजल (26) पुत्र शहीद के रूप में हुई है।

308 दिव्यांग बच्चों को मिले 435 सहायक उपकरण

अकबरपुर और जलालपुर में बीएसए ने किया वितरण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। दिव्यांग बच्चों को स्कूल आने-जाने और पढ़ाई में सहूलियत देने के लिए शनिवार को अकबरपुर और जलालपुर शिक्षा क्षेत्रों में सहायक उपकरण वितरित किए गए। दोनों स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में 308 लाभार्थियों के लिए कुल 435 उपकरण दिए गए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. पूनम मिश्रा ने लाभार्थियों को उपकरण वितरित किए।

अकबरपुर शिक्षा क्षेत्र के शिवबाबा स्थित कंपोजिट विद्यालय और जलालपुर के ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) पर कार्यक्रम आयोजित हुए। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, अकबरपुर में 185 लाभार्थियों के लिए 258 उपकरण और जलालपुर में 123 लाभार्थियों के लिए 177 उपकरण वितरित किए गए। वितरित सामग्री में ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, सीपी चेयर, वॉकिंग स्टिक, रोलेटर, ब्रेल किट, टीएलएम किट, सुगम्य केन, सर्वाइकल कॉलर और कैलीपर समेत अन्य सहायक उपकरण शामिल रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को उनकी जरूरत के अनुरूप सहायक संसाधन उपलब्ध कराना और उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है।

इस दौरान एबीएसए हिमांशु मिश्रा, किरण कुमारी, मनोज मिश्रा, अलकमा समेत शिक्षक और विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

अगरबत्ती से भड़की आग असलम की पूरी गृहस्थी जलकर राख

दो लाख रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान

- सिकंदरपुर गांव में रात आठ बजे हुआ हादसा, बेड-कपड़े से लेकर वाशिंग मशीन और राशन तक जला

तमसा संकेत, संवाददाता

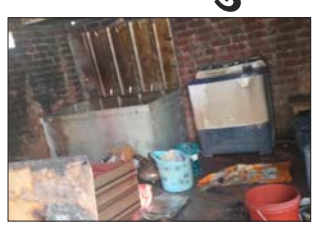

अंबेडकरनगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव में मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती से लगी आग में मोहम्मद असलम की पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई। आग में बेड, बिस्तर, कपड़े, वाशिंग मशीन, राशन और दहेज में मिला सामान समेत घर की सभी जरूरी वस्तुएं नष्ट हो गईं। पीड़ित परिवार को दो लाख रुपये से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है।

घटना बीती रात करीब आठ बजे की है। असलम मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। हादसे के समय वह घर से बाहर थे, जबकि उनकी पत्नी बच्चों के साथ पड़ोस में गई हुई थीं। इसी दौरान घर में आग लग गई। परिवार के मुताबिक, मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती से आग लगी और देखते ही देखते उसने घर में रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। घर से आग की लपटें उठती देख आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने आग बुझाने के लिए काफी मशक्कत की। ग्रामीणों की कोशिशों से आग पर काबू तो पा लिया गया, लेकिन तब तक घर में रखा सामान जलकर राख हो चुका था। आग में बेड, गद्दे, रजाई, पत्नी और बच्चों के कपड़े, वाशिंग मशीन, खाद्यान्न और गृहस्थी की अन्य वस्तुएं नष्ट हो गईं। दहेज में मिला सामान भी आग की भेंट चढ़ गया। परिवार के पास रोजमर्रा के इस्तेमाल की जरूरी वस्तुएं भी नहीं बचीं।

असलम मेहनत-मजदूरी कर परिवार की जरूरतें पूरी करते हैं। ऐसे में घर का पूरा सामान नष्ट होने से उन्हें बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। पीड़ित परिवार के मुताबिक, आग से दो लाख रुपये से अधिक की संपत्ति नष्ट होने का अनुमान है।

मतदाता जागरूकता कप में राहुल पांडेय का दोहरा धमाका

क्रिएटर्स चैंपियन्स ने 6 ओवर में जीता मैच

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मतदाता जागरूकता सर्वोदय कप में क्रिएटर्स चैंपियन्स अंबेडकरनगर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जय हीरो एजेंसी को आठ विकेट से हरा दिया। जेएसआर क्रिकेट मैदान पर शनिवार सुबह खेले गए मुकाबले में राहुल पांडेय जीत के नायक रहे। उन्होंने पहले गेंदबाजी में चार विकेट झटके और फिर महज 15 गेंदों पर 49 रन की विस्फोटक पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और बेस्ट गेंदबाज का पुरस्कार दिया गया।

आराध्या श्री फाउंडेशन की ओर से आयोजित मुकाबले में टॉस जीतकर क्रिएटर्स चैंपियन्स ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जय हीरो एजेंसी ने 12 ओवर में पांच विकेट पर 94 रन बनाए। कप्तान रवि भद्र सिंह ने एक छोर संभालते हुए 43 रन की संयमित पारी खेली। अभिषेक ने 12 और पंकज ने 10 रन बनाए। क्रिएटर्स चैंपियन्स की ओर से राहुल पांडेय ने 17 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि फागू भैया को एक विकेट मिला।

95 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी क्रिएटर्स चैंपियन्स ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। राहुल पांडेय ने पांच चौके और चार छक्के की मदद से 15 गेंदों पर 49 रन बनाए। गौरव ने 14 और राजू ने 10 रन का योगदान दिया। टीम ने महज छह ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

25 और 30 अक्टूबर तथा एक नवंबर को सुबह सात से रात नौ बजे तक लागू रहेगा डायवर्जन

पीईटी के चलते तीन दिन भारी वाहनों की नो-एंट्री

- बदले रहेंगे कई रूट
- आजमगढ़, बसखारी, अयोध्या और टांडा की ओर जाने वाले वाहन चालक ध्यान दें
- आजमगढ़ और बसखारी से अयोध्या जाने वाले वाहन इस रास्ते से गुजरेंगे

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET)-2026 को लेकर जिले में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। परीक्षा के मद्देनजर 25 और 30 अक्टूबर तथा एक नवंबर को सुबह सात बजे से रात नौ बजे तक भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान कई प्रमुख मार्गों पर रूट डायवर्जन लागू होगा। आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को प्रतिबंध से छूट दी गई है।

परीक्षा तीनों तिथियों पर दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक निर्धारित है। परीक्षा केंद्रों के आसपास यातायात सुचारु रखने के लिए यातायात पुलिस ने वैकल्पिक मार्ग तय किए हैं।

आजमगढ़ और बसखारी की ओर से अयोध्या जाने वाले भारी वाहन न्यौतरिया बाईपास से गोहन्ना चौराहा, पहितीपुर और श्रवण क्षेत्र होते हुए अन्नावा के रास्ते जाएंगे। अयोध्या से आने वाले भारी वाहनों को भी इसी मार्ग से गुजरना होगा। बस्ती और टांडा से अकबरपुर आने वाले भारी वाहनों को कटरिया याकूबपुर से डायवर्ट किया जाएगा। ये वाहन बाईपास से होकर अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे।

> अकबरपुर में मालीपुर रोड बाईपास, जलालपुर रोड बाईपास, न्यौतरिया बाईपास, कटरिया याकूबपुर बाईपास, भिखारीपुर मोड़, फायर सर्विस, गोहन्ना चौराहा बाईपास और अन्नावा तिराहे पर भी यातायात व्यवस्था में बदलाव रहेगा। इन स्थानों से गुजरने वाले वाहन चालकों को निर्धारित मार्गों का पालन करना होगा।

टांडा में तीन स्थानों पर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

अकबरपुर से टांडा जाने वाले भारी वाहनों को धरमनगर पुल से एनएच-233 की ओर डायवर्ट किया जाएगा। वहीं, टांडा थाना क्षेत्र के कश्मिरिया, चिंतौरा और धुरहिया में हल्के और भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। प्रभारी यातायात जय बहादुर यादव ने वाहन चालकों से निर्धारित तिथियों पर डायवर्जन का पालन करने और वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की अपील की है।

मेडिकल कॉलेज के मैदान पर आज से सजेगा खेलों का महासंग्राम

यूनिटी कप-2026 में क्रिकेट, वॉलीबॉल, फुटबॉल और बैडमिंटन के मुकाबले

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज में रविवार से छह दिवसीय अंतरमहाविद्यालयीय खेल प्रतियोगिता 'यूनिटी कप-2026' का आगाज होगा। 25 से 30 अक्टूबर तक चलने वाली प्रतियोगिता के मुकाबले कॉलेज के क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित किए जाएंगे। इसमें अंबेडकरनगर समेत विभिन्न जिलों के करीब 10 मेडिकल कॉलेजों की टीमें हिस्सा लेंगी।

प्रतियोगिता में क्रिकेट, वॉलीबॉल, फुटबॉल और बैडमिंटन के मुकाबले होंगे। अंबेडकरनगर के अलावा प्रतापगढ़, अयोध्या, जौनपुर, फतेहपुर, गोंडा, बस्ती, अमेठी, कुशीनगर और बहराइच सहित विभिन्न जिलों के मेडिकल कॉलेजों की टीमें प्रतिभाग करेंगी। खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। प्रतियोगिता की थीम 'ब्रिंग योर बेस्ट, लीव योर लेगेसी' रखी गई है। इसका उद्देश्य चिकित्सा विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, टीम वर्क और आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है। साथ ही, अलग-अलग मेडिकल कॉलेजों के विद्यार्थियों के बीच बेहतर समन्वय और सौहार्द विकसित करना भी आयोजन का लक्ष्य है।

कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. मुकेश यादव के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता की तैयारियां की गई हैं। आयोजन में खेल समिति के अध्यक्ष डॉ. मनोज गुप्ता, खेल सचिव डॉ. चंद्रभान, डॉ. अमोद कुमार सरोज और डॉ. साजन देव की भूमिका है। वहीं, एमबीबीएस 2022 बैच के छात्र सौरव, अभिषेक राज, सत्यम, शशांक, अमन और रोशन सहित अन्य विद्यार्थी आयोजन में सहयोग कर रहे हैं। कॉलेज प्रशासन के अनुसार, प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। छह दिन तक चलने वाले इस आयोजन में विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के विद्यार्थी खेलों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करेंगे।

पेट अभ्यर्थियों के लिए टांडा में मुफ्त ठहरने और भोजन की व्यवस्था

तमसा संकेत, संवाददाता

- 25, 30 अक्टूबर और एक नवंबर को परीक्षा देने आने वाले अभ्यर्थियों को मिलेगी सुविधा, मौर्या स्टेट एंड जगत पैलेस गेस्ट हाउस में रहने और विश्राम का इंतजाम

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET)-2026 में शामिल होने के लिए जिले में आने वाले अभ्यर्थियों को ठहरने और भोजन की सुविधा के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। नारायण फाउंडेशन की ओर से अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क रहने, खाने और विश्राम की व्यवस्था की गई है। यह सुविधा टांडा क्षेत्र के रामपुर कलां स्थित मौर्या स्टेट एंड जगत पैलेस गेस्ट हाउस में उपलब्ध होगी।

फाउंडेशन की ओर से यह व्यवस्था 25 और 30 अक्टूबर तथा एक नवंबर 2026 को होने वाली परीक्षा के मद्देनजर की गई है। जिन अभ्यर्थियों का परीक्षा केंद्र अंबेडकरनगर में आवंटित है, वे इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। परीक्षा देने के लिए दूसरे क्षेत्रों से आने वाले अभ्यर्थियों के लिए ठहरने और भोजन का इंतजाम उपयोगी साबित हो सकता है। गेस्ट हाउस मौर्य चौराहा, रामपुर कलां, टांडा में स्थित है। व्यवस्था से संबंधित जानकारी और संपर्क के लिए दयानंद मौर्य को जिम्मेदारी दी गई है। अभ्यर्थी सुविधा के संबंध में उनसे संपर्क कर सकते हैं।

नारायण फाउंडेशन के संरक्षक और भाजपा जिला उपाध्यक्ष विवेक मौर्य ने बताया कि परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा, "परीक्षा देने के लिए जिले में आने वाले अभ्यर्थियों को ठहरने और भोजन की व्यवस्था के लिए भटकना न पड़े, इसी उद्देश्य से निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

तैयारी : 2027 की परीक्षा में क्यूआर कोड और अलग-अलग रंगों वाली उत्तर पुस्तिकाएं मिलेंगी परीक्षार्थियों को

यूपी बोर्ड परीक्षा में कॉपियों की बदलेगी पहचान

- एक कवर पेज पर दर्ज होंगे पूरे अंक
- अंबेडकरनगर में 67,119 छात्र देंगे परीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। यूपी बोर्ड की वर्ष 2027 की परीक्षा में उत्तर पुस्तिकाओं का स्वरूप बदला नजर आएगा। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के परीक्षार्थियों को इस बार दो के बजाय एक मुख्य कवर पेज वाली कॉपियां दी जाएंगी। इसी पेज पर परीक्षा से जुड़ी जरूरी जानकारियों के साथ परीक्षक की ओर से दिए गए अंकों का ब्योरा दर्ज होगा। उत्तर पुस्तिकाओं पर क्यूआर कोड भी अंकित रहेगा और उनकी पहचान के लिए अलग-अलग रंग निर्धारित होंगे। बोर्ड की इस नई व्यवस्था से उत्तर पुस्तिकाओं की पहचान करना आसान होगा। साथ ही, कॉपियों की अदला-बदली जैसी गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है। नई व्यवस्था के बीच जिले में परीक्षा की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। घोषित समय-सारिणी के अनुसार, वर्ष 2027 की यूपी बोर्ड परीक्षा पांच फरवरी से प्रस्तावित है। इसे देखते हुए केंद्र निर्धारण के साथ परीक्षा संबंधी अन्य व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने की तैयारी की जा रही है।

जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. कौस्तुभ सिंह ने बताया कि बोर्ड के निर्देशों के अनुसार परीक्षा की तैयारियां चल रही हैं। परीक्षा केंद्रों का निर्धारण समेत सभी जरूरी प्रक्रियाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरी कराई जाएंगी।

369 विद्यालयों के परीक्षार्थी होंगे शामिल

अंबेडकरनगर में इस बार हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के कुल 67,119 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। इनमें हाईस्कूल के 35,984 और इंटरमीडिएट के 31,135 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। जिले के 369 माध्यमिक विद्यालयों के परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र निर्धारित करने की प्रक्रिया चल रही है। पिछले वर्ष जिले में बोर्ड परीक्षा के लिए 114 केंद्र बनाए गए थे। इन पर 71,398 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी। इस बार भी केंद्रों की संख्या लगभग इतनी ही रहने की संभावना है। हालांकि, केंद्रों की अंतिम संख्या विद्यालयों की उपलब्धता, परीक्षार्थियों की संख्या और बोर्ड के मानकों के आधार पर तय होगी।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन से पहले संवारे जाएंगे जिले के 134 घाट

निगरानी के लिए 134 अधिकारियों की तैनाती

तमसा संकेत, संवाददाता

- 25 अक्टूबर को सभी घाटों पर चलेगा विशेष सफाई अभियान

अंबेडकरनगर। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन से पहले जिले के 134 घाटों की सफाई कराई जाएगी। जिलाधिकारी ईशा प्रिया की पहल पर 25 अक्टूबर को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। सफाई व्यवस्था की निगरानी के लिए प्रत्येक घाट पर एक अधिकारी की जिम्मेदारी तय की गई है।

अभियान के तहत जिले के सभी चिह्नित विसर्जन घाटों पर साफ-सफाई कराई जाएगी। प्रशासन का जोर विसर्जन से पहले घाटों को स्वच्छ बनाने और सफाई कार्य की निगरानी सुनिश्चित करने पर है। इसके लिए संबंधित विभागों को तैयारियों में जुटने को कहा गया है।

जिले में चिह्नित 134 घाटों के लिए 134 अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रत्येक अधिकारी अपने जिम्मे वाले घाट की सफाई व्यवस्था पर नजर रखेगा। इससे सभी घाटों पर अभियान के तहत काम कराने और उसकी निगरानी करने की व्यवस्था बनाई गई है। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के मद्देनजर घाटों की सफाई को लेकर विभागीय स्तर पर तैयारी की जा रही है। 25 अक्टूबर को चलने वाले अभियान में सभी 134 घाटों को शामिल किया गया है। प्रशासन की पहल का उद्देश्य विसर्जन से पहले घाटों की सफाई सुनिश्चित करना है।

सम्पादकीय

वोट चोरी का शिगूफा

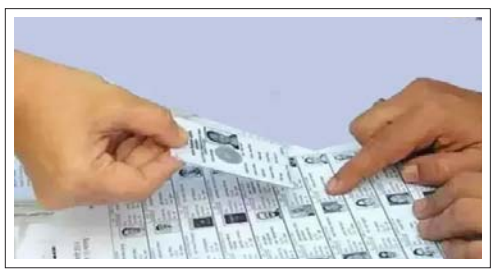

वोट चोरी के विपक्षी दलों के दुष्प्रचार की काट के लिए भाजपा ने राष्ट्रव्यापी अभियान छेड़ने का जो निर्णय लिया, वह उचित ही है, क्योंकि इस दुष्प्रचार के तहत यह भी अफवाह फैलाई जा रही है कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है और उसे चुनावी लाभ प्रदान कर रहा है।

अच्छा होता कि भाजपा की ओर से ऐसा कोई अभियान पहले ही छेड़ा जाता। चूंकि इस काम में देर हुई, इसलिए अब उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके साथ संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग को संकीर्ण राजनीतिक कारणों से बदनाम करने के विपक्षी दलों के दुष्प्रचार का प्रतिकार प्रभावी तरीके से हो। उसे अपनी बात पुष्ट प्रमाणों और अकाट्य तर्कों के साथ रखनी होगी। इस क्रम में उन झूठे आरोपों की पोल भी खोलनी होगी, जिनकी आड़ में यह माहौल बनाया जा रहा है कि विपक्षी दलों के समर्थकों के नाम वोटरलिस्ट से जानबूझ-कर बाहर किए जा रहे हैं।

हालांकि बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के समय ही यह स्पष्ट हो गया था कि विपक्षी दलों के आरोपों में कोई दम नहीं, लेकिन खीझ में आकर वे इस उक्ति को चरितार्थ करने में जुट गए कि किसी झूठ को सौ बार दोहराया जाए तो वह सच लगने लगता है। वास्तव में वोट चोरी के शिगूफे के पीछे विपक्ष ने इसी उक्ति को अपना हथियार बना लिया है।

एक ओर जहां एक राजनीतिक दल के रूप में भाजपा को अपने हिस्से का काम करना होगा, वहीं चुनाव आयोग को भी सक्रिय होना होगा, क्योंकि एसआईआर के समय उसकी ओर से नोटिस जारी कर लोगों से जो आवश्यक जानकारी या प्रमाणपत्र मांगे जाते हैं, उसके आधार पर ही यह शोर मचाया जा रहा है कि वोट चोरी हो रही है। इस नोटिस में केवल यह लिखा होता है, 'आपने गणना प्रपत्र में अपने या स्वजनों के बारे में वांछित जानकारी नहीं भरी या फिर उसका मिलान नहीं हो पा रहा है।

आपका नाम वोटर लिस्ट में दर्ज हो सके, इसके लिए इस तिथि तक अमुक दस्तावेज भेज दें। किसी कठिनाई पर बीएलओ से संपर्क करें।' अनेक लोगों को ऐसे नोटिस मिले और उन्होंने आवश्यक दस्तावेज जमाकर अपने नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराए। जिन्होंने ऐसा नहीं किया, बीएलओ ने उनसे खुद संपर्क किया। इसके बाद भी लोगों को वोटरलिस्ट में नाम जुड़वाने का अवसर दिया जाता है।

विपक्ष इसी नोटिस के आधार पर वोट चोरी का शोर मचाकर मुख्य चुनाव आयुक्त का त्यागपत्र तो मांग रहा, लेकिन यह नहीं बता रहा कि आखिर राज्य सरकारों के अधीन काम करने वाले बीएलओ यह कैसे जान सकते हैं कि कौन वोटर किस दल को वोट देता है? जब ऐसा संभव ही नहीं तो फिर इसे कोरे झूठ के अलावा और क्या कहा जा सकता है कि चुनाव आयोग विपक्ष को वोट देने वालों के नाम काट रहा है?

कलाकार हैं स्वप्नद्रष्टा और शांतिपूर्ण भविष्य के शिल्पी

> 66 अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस हमें इस दिशा में सामूहिक संकल्प लेने का अवसर देता है। विशेष रूप से नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि सृजनशीलता का सर्वोच्च उपयोग केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज को अधिक न्यायपूर्ण, सुंदर और मानवीय बनाने में है।

कला एवं कलाकार मानव सभ्यता की आत्मा है। यह वह अनंत भाषा है, जिसके माध्यम से मनुष्य अपने अंतरतम की संवेदनाओं, अनुभूतियों, विचारों और स्वप्नों को रूप, रंग, ध्वनि, शब्द, लय और भावों में अभिव्यक्त करता है। जब आदिम मानव-कलाकारों ने गुफाओं की दीवारों पर अपनी अनुभूतियों को चित्रित किया होगा, जब किसी कलाकार ने पत्थर को तराशकर उसमें आकृति का सौंदर्य खोजा होगा अथवा किसी ने प्रकृति की ध्वनियों से प्रेरित होकर पहली बार सुरों को साधा होगा, तभी से कला ने मानव जीवन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई होगी। कला की यात्रा वस्तुतः मानव चेतना के विकास, उसकी कल्पना-शीलता और उसकी संवेदनशीलता की यात्रा है। प्रत्येक वर्ष 25 अक्टूबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस इसी सृजनशील चेतना को सम्मान देने तथा समाज और सभ्यता के निर्माण में कलाकारों के योगदान को पहचानने का अवसर है। लेकिन इस दिवस की सार्थकता केवल कलाकारों का अभिनंदन करने, चित्रकला प्रदर्शनियों का आयोजन करने, संगीत समारोहों में भाग लेने अथवा कलाकृतियों की प्रशंसा करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। आज जब विश्व युद्धों की आशंकाओं, आतंकवाद, हिंसा, धार्मिक एवं वैचारिक टकराव, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और महाशक्तियों के वर्चस्ववादी संघर्षों से घिरा हुआ है, तब कला और कलाकार की भूमिका पहले से कहीं अधिक व्यापक और महत्त्वपूर्ण हो जाती है। प्रश्न यह है कि क्या मनुष्य की तकनीकी प्रगति, आर्थिक समृद्धि और सैन्य शक्ति उसे अधिक शांतिप्रिय बना सकी है? यदि नहीं, तो निश्चित रूप से हमें उस मानवीय चेतना की ओर लौटना होगा, जो मनुष्य को केवल शक्तिशाली नहीं, बल्कि संवेदनशील, सहिष्णु और करुणाशील बनाती है। कला इसी चेतना का सबसे प्रभावशाली माध्यम है। वर्तमान विश्व की विडंबना यह है कि एक ओर विज्ञान ने दूरियों को समाप्त कर दिया है, संचार के साधनों ने दुनिया को एक वैश्विक परिवार का स्वरूप दिया है और आर्थिक संबंधों ने राष्ट्रों को परस्पर निर्भर बनाया है; दूसरी ओर मनुष्यों के बीच अविश्वास, घृणा और संघर्ष की दीवारें भी ऊँची होती जा रही हैं। युद्धभूमियों में बिखरते परिवार, आतंकवाद की भेंट चढ़ते निर्दोष जीवन, विस्थापन की पीड़ा झेलते बच्चे और वर्चस्व की राजनीति में कुचले जाते छोटे राष्ट्र इस प्रश्न को सामने रखते हैं कि विकास का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या विकास केवल ऊँची इमारतों, आधुनिक हथियारों, विशाल बाजारों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक सीमित है, अथवा उसका वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुंदर, स्वतंत्र और आनंदमय बनाना भी है? कला और कलाकार इस प्रश्न का उत्तर मनुष्य के हृदय में खोजते हैं। वे याद दिलाते हैं कि सभ्यता की महानता विनाश की क्षमता से नहीं, बल्कि सृजन, संरक्षण और सह-अस्तित्व की योग्यता से मापी जानी चाहिए। राजनीति और कूटनीति जहाँ कई बार हितों, सीमाओं और शक्ति-संतु-लन के गणित में उलझ जाती हैं, वहीं कला और कलाकार मनुष्य के साझा दुख और साझा आनंद को सामने लाती है। एक चित्रकार युद्ध से उजड़े घर की तस्वीर बनाता है, तो उसमें किसी एक देश का नहीं, संपूर्ण मानवता का दर्द दिखाई देता है। एक संगीतकार जब करुणा से भरी धुन छेड़ता है, तो उसकी भाषा समझने के लिए किसी अनुवाद की आवश्यकता नहीं होती। किसी कवि की पंक्तियों में व्यक्त प्रेम, किसी नर्तकी की भाव-भंगिमा में झलकती पीड़ा और किसी मूर्तिकार की रचना में उभरती मानवीय गरिमा भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर हृदयों को जोड़ती है। यही कला की वह शक्ति है, जो शत्रुता के बीच संवाद, निराशा के बीच आशा और विभाजन के बीच आत्मीयता के पुल बना सकती है। कला और युद्ध के बीच का अंतर भी गहरे चिंतन का विषय है। युद्ध की मानसिकता दूसरे को पराजित करने में अपनी विजय खोजती है, जबकि कला दूसरे के अनुभव को समझने की दृष्टि प्रदान करती है। युद्ध सीमाओं पर दीवारें खड़ी करता है, कला उन दीवारों के पार झाँकना सिखाती है। हथियार शरीर को घायल करते हैं, किंतु घृणा मनुष्य की आत्मा को भी आहत करती है; कला उस आत्मा के घावों को भरने का प्रयास करती है। जहाँ हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है, वहीं सच्चा कलात्मक सृजन सहानुभूति और आत्ममंथन की प्रेरणा देता है। इसका अर्थ यह नहीं कि कला अकेले युद्ध रोक सकती है अथवा कलाकारों की अभिव्यक्ति मात्र से आतंकवाद समाप्त हो जाएगा। युद्धों को रोकने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, न्यायपूर्ण नीतियाँ, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी संस्थाएँ आवश्यक हैं। लेकिन इन प्रयासों को स्थायी आधार देने के लिए ऐसी मानवीय चेतना चाहिए, जो हिंसा को गौरव और शांति को कमजोरी न समझे। कला इसी चेतना के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में कला का संबंध केवल मनोरंजन से नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, आध्यात्मिकता और सामाजिक समरसता से भी रहा है। यहाँ संगीत साधना है, नृत्य भावों की अभिव्यक्ति है, साहित्य लोकमंगल की चेतना है और लोककला समुदायों की स्मृति एवं पहचान का जीवंत दस्तावेज है। जैन दर्शन का अहिंसा और अनेकांत का संदेश भी हमें सिखाता है कि सत्य को समझने के लिए दृष्टियों की विविधता का सम्मान आवश्यक है। अनेकांत की भावना कला की प्रकृति से मेल खाती है, क्योंकि एक ही दृश्य, घटना अथवा अनुभूति को अलग-अलग कलाकार भिन्न दृष्टिकोणों से अभिव्यक्त कर सकते हैं। इन विविध अभिव्यक्तियों को स्थान देना संवाद, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व को मजबूत करता है। इसके बावजूद आज कलाकारों के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं। बाजार का दबाव कई बार कला को केवल लाभ और लोकप्रियता की कसौटी पर परखता है। त्वरित प्रसिद्धि की चाह, अभिव्यक्ति पर अनुचित प्रतिबंध, सांस्कृतिक असहिष्णुता और रचनात्मक स्वतंत्रता के प्रति संदेह कलाकार की संभावनाओं को सीमित कर सकते हैं। डिजिटल माध्यमों ने सृजन के अवसर बढ़ाए हैं, लेकिन सतही लोकप्रियता की प्रतिस्पर्धा ने गंभीर कलात्मक अभिव्यक्ति के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं।

– ललित गर्ग

वैश्विक मंचों पर जब...

अशोक भाटिया

ऐतिहासिक पाप विकसित देशों का, तो पर्यावरण का आर्थिक और सामाजिक दंड भारत क्यों भुगते?

यदि हम इतिहास के पन्नों को पलटें और औद्योगिक क्रांति के दौर से लेकर आज तक के आंकड़ों का निष्पक्ष विश्लेषण करें, तो जिम्मेदार और पीड़ित का अंतर साफ नजर आता है। आज जो देश खुद को पर्यावरण का मसीहा घोषित कर रहे हैं और विकासशील देशों को उपदेश दे रहे हैं, उन्होंने अपनी समृद्धि की इमारत जीवाश्म ईंधन की अंधाधुंध भट्टी पर खड़ी की है। यूरोप और अमेरिका ने सदियों तक कोयले, तेल और गैस का बेतहाशा इस्तेमाल करके अपने उद्योगों को चमकाया, अपने नागरिकों को विलासिता का जीवन दिया और अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत किया।

जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण आज इक्कीसवीं सदी के सबसे बड़े वैश्विक विमर्श बन चुके हैं। दुनिया भर के नीति-निर्माता, वैज्ञानिक और राष्ट्राध्यक्ष साल-दर-साल बड़े-बड़े सम्मेलनों में बैठते हैं, पर्यावरण को बचाने की कसमें खाते हैं और नई प्रतिबद्धताओं के घोषणापत्र जारी करते हैं। लेकिन इन भव्य आयोजनों की चमक-दमक के पीछे एक ऐसा कड़वा सच छिपा है, जिसे वैश्विक मंचों पर अक्सर दबाने की कोशिश की जाती है। यह कड़वा सच है 'जलवायु न्याय' का अभाव और विकसित देशों का वह ऐतिहासिक पाखंड, जिसने आज पूरी दुनिया को विनाश की कगार पर ला खड़ा किया है। सदियों से चले आ रहे इस पाखंड को दुनिया के सामने पूरी तार्किकता और आक्रामकता के साथ बेनकाब करने का काम हाल ही में भारत ने किया है। जर्मनी में आयोजित 'बर्लिन ग्लोबल डायलॉग' के प्रतिष्ठित मंच से भारत के केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंडों पर जो तीखा प्रहार किया, उसने वैश्विक पर्यावरण राजनीति की चूलें हिला दी हैं। पीयूष गोयल ने बिना किसी हिचकिचाहट के विकसित देशों के प्रतिनिधियों के

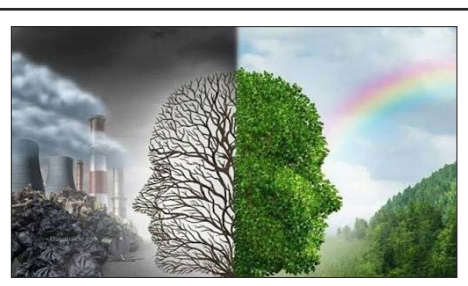

सामने यह स्पष्ट और दो-टूक सवाल दागा कि आखिर इस पूरी गड़बड़ी के लिए असली जिम्मेदार कौन है। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा कि ओजोन परत को नुकसान किसने पहुंचाया, वातावरण में यह सारा जहरीला कार्बन किसने भेजा, यह पूरी समस्या पश्चिमी और विकसित देशों की ही पैदा की हुई है। पीयूष गोयल का यह बयान केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह उन अरबों लोगों की आवाज है जो बिना किसी गलती के विकसित देशों के ऐतिहासिक पापों का सामाजिक और आर्थिक दंड भुगतने के लिए मजबूर किए जा रहे हैं। उस दौर में न तो उन्हें कार्बन उत्सर्जन की चिंता थी और न ही पृथ्वी के बढ़ते तापमान की। आज वातावरण में मौजूद ग्रीनहाउस गैसों का एक बहुत बड़ा हिस्सा इन्हीं विकसित देशों की ऐतिहासिक देन है। दूसरी ओर, भारत जैसे देश का इतिहास देखें, तो हमारी संस्कृति और जीवनशैली हमेशा से प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीने की रही है। आंकड़ों के आईने में यह सच साफ झलकता है कि भारत दुनिया की लगभग सत्रह प्रतिशत आबादी का घर है, लेकिन वैश्विक ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन में हमारा योगदान तीन प्रतिशत से भी कम है। वर्तमान में भी एक औसत भारतीय का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन, किसी भी यूरोपीय या अमेरिकी नागरिक के उत्सर्जन के मुकाबले एक बेहद छोटा हिस्सा मात्र है। ऐसे में यह सवाल उठना पूरी तरह न्यायसंगत है कि जिस औद्योगिक विकास की मलाई विकसित देशों ने खाई, उसका सामाजिक और आर्थिक दंड भारत का गरीब किसान, मजदूर और आम नागरिक क्यों भुगते।

वैश्विक मंचों पर जब भी पर्यावरण संरक्षण के नियमों की बात आती है, तो विकसित देश बड़ी चतुराई से 'समान लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों' के सिद्धांत को दरकिनार करने की कोशिश करते हैं। साल २०१५ के ऐतिहासिक पेरिस जलवायु समझौते में इस सिद्धांत को कानूनी रूप से स्वीकार किया गया था, जिसका सीधा मतलब था कि जिन्होंने पर्यावरण को ज्यादा नुकसान पहुंचाया है, वे इसके सुधार के लिए ज्यादा वित्तीय और तकनीकी जिम्मेदारी उठाएंगे। इसी समझौते के तहत विकसित देशों ने वादा किया था कि वे विकासशील और गरीब देशों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए हर साल १०० अरब डॉलर की 'क्लाइमेट फंडिंग' प्रदान करेंगे। लेकिन इस वादे की हकीकत क्या है, इसे भी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बेहद मुखरता से दुनिया के सामने रखा। उन्होंने साफ किया कि इस वादे को एक दशक से भी ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन जमीन पर पश्चिमी देशों की तरफ से वित्तीय सहायता की डिलीवरी पूरी तरह शून्य रही है।

दिव्यांगजन...

मो0 इक़बाल खान

प्रदेश के दिव्यांगजनों के लिए आर्थिक स्वावलंबन बन रही है दिव्यांगजन भरण-पोषण अनुदान योजना

उत्तर प्रदेश, जनसंख्या की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के नाते, प्रदेश सरकार ने दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उ0प्र0 में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार प्रदेश में कुल दिव्यांगजन की संख्या-41,57,514 है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के 31,66,615 एवं शहरी क्षेत्र के 990899 दिव्यांगजन सम्मिलित हैं। उ0प्र0 जैसे विशाल और विविधतापूर्ण प्रदेश में समावेशी विकास की अवधारणा तभी सार्थक मानी जाती है जब समाज के हर वर्ग, विशेषकर दिव्यांगजन को समान अवसर और अधिकार प्रदान करते हुए विकास किया जाए। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश के सभी वर्गों का समान रूप से विकास किया जा रहा है। सशक्तिकरण एक बहुआयामी प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों को उनके अधिकारों, संसाधनों और अवसरों तक पहुँच प्रदान करना है। जब दिव्यांगजनों की बात आती है, तो सशक्तिकरण का अर्थ उन्हें केवल सहायक उपकरण देना नहीं, बल्कि उन्हें एक गरिमामय जीवन जीने के लायक बनाना भी है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण का अर्थ ही है कि उन्हें शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और समान अवसर प्रदान किया जाये ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और समाज में सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें। दिव्यांगजन भरण-पोषण अनुदान योजनाः प्रदेश सरकार की यह योजना राज्य की सबसे व्यापक योजना है जो दिव्यांगजनों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। इस योजनान्तर्गत पूर्व में 300/- प्रति माह प्रति व्यक्ति की दर से अनुदान प्रदान किया जाता था, जिसे वर्तमान सरकार द्वारा अप्रैल, 2017 में बढ़ा कर 500/- प्रति माह प्रति व्यक्ति करते हुए तथा पुनः दिसम्बर, 2021 में 500/- से बढ़ा कर 1000/- प्रति माह प्रति लाभार्थी कर दिया गया है। इस योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 की समाप्ति पर दिव्यांग पेंशनर्स की संख्या-8,75,992 थी, जो अद्यतन 12.23 लाख से अधिक हो गयी है। इस प्रकार वर्ष 2017 के पश्चात 312433 नवीन दिव्यांगजनों को चिन्हित कर लाभान्वित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में कुल 179518.69 लाख रूपये बजट प्राविधान के सापेक्ष 31210.57 लाख रूपये की धनराशि व्यय करते हुए अभी तक कुल 10,44,022 लाभार्थियों के खातों में पेंशन/अनुदान भेजी गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 12.23 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को 1000 रू0 प्रतिमाह की दर से पेंशन दी गई है।

भारत सरकार ने दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा के लिए त्पहीजे व ि्चमतेवदे ूपजी क्पेंइपसपजपमे ।बज.2016 ;त्क्ूक् ।बजद्ध लागू किया है। इस कानून के तहत 21 प्रकार की दिव्यांगताओं को मान्यता दी गई है । यह कानून शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा में आरक्षण तथा समान अवसर सुनिश्चित करता है। उ0प्र0 सरकार का दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग विभिन्न योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों के जीवन स्तर को सुधारने का कार्य कर रहा है।

कटघरे में सत्ता की नैतिकता फैसला अदालत के हाथ

लोकतंत्र में किसी मुख्यमंत्री की सबसे बड़ी कसौटी केवल चुनाव जीतकर सत्ता में पहुंचना नहीं बल्कि सत्ता में रहते हुए कानून, संवैधानिक मर्यादाओं और सार्वजनिक जवाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित करना भी है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ रांची की विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में बरगाईं की 8.86 एकड़ जमीन से जुड़े मामले में आरोप तय होना इसी व्यापक सवाल को सामने लाता है। मामला अब मुकदमे के अगले चरण में प्रवेश कर चुका है। लेकिन इस घटनाक्रम को समझने के लिए दो बातों को एक साथ याद रखना जरूरी है—आरोपों की गंभीरता और न्यायिक प्रक्रिया में आरोपी की बेगुनाही की कानूनी धारणा। 30 सितंबर 2026 को रांची की विशेष पीएमएलए अदालत ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ धनशोधन मामले में आरोप तय किए। वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में उपस्थित हुए और उन्होंने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को गलत बताते हुए खुद को बेगुनाह कहा। अदालत ने अभियोजन पक्ष को गवाह और साक्ष्य पेश करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। अगली सुनवाई के लिए 30 नवंबर की तारीख निर्धारित की गई है। इस मामले में सोरेन से पहले 16 अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए जा चुके थे। यहां एक बुनियादी कानूनी अंतर समझना जरूरी है। अदालत द्वारा आरोप तय किए जाने का अर्थ यह नहीं है कि आरोपी दोषी साबित हो गया। इसका अर्थ है कि अदालत ने उपलब्ध सामग्री के आधार पर मुकदमे को आगे बढ़ाने का चरण पार किया है। अब अभियोजन पक्ष को अपने आरोपों के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे, गवाहों के बयान दर्ज होंगे और बचाव पक्ष को उन पर सवाल उठाने का अवसर मिलेगा। अंतिम निर्णय न्यायिक परीक्षण के बाद ही होगा। इसलिए आरोप तय होने को दोषसिद्धि मान लेना न्यायिक प्रक्रिया की गलत व्याख्या होगी।

– कुमार कृष्णन

जरा हटके

पठन-पाठन के ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

अटल आवासीय विद्यालय योजना से बच्चों का संवरता भविष्य

प्रदेश सरकार द्वारा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवारों के बच्चों को उच्चस्तरीय और निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित 'अटल आवासीय विद्यालय योजना' राज्य में सामाजिक न्याय और शैक्षणिक पुनरुत्थान का सशक्त माध्यम बन चुकी है। यह महत्वाकांक्षी योजना पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों तथा निराश्रित व कोविड काल में अनाथ हुए छात्र-छात्राओं के जीवन में व्यापक सकारात्मक बदलाव ला रही है। जनपद जौनपुर में इस जनकल्याणकारी पहल का प्रभाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है, जहाँ के श्रमिक परिवारों की नई पीढ़ी अब अभावों की सीमाओं को पार कर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

प्रशासनिक व्यवस्था के तहत जनपद जौनपुर वर्तमान में वाराणसी मंडल के कार्यक्षेत्र में सम्मिलित है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत जौनपुर के पात्र मेधावी छात्र-छात्राओं को वाराणसी के करसड़ा (राजातालाब) स्थित आधुनिक अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश दिलाकर लाभान्वित किया जा रहा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रहने वाले ग्रामीण एवं श्रमिक पृष्ठभूमि के बच्चे आज इस आवासीय परिसर में आधुनिक शैक्षणिक परिवेश और गरिमापूर्ण जीवन का अनुभव कर रहे हैं।

इस परिवर्तनकारी योजना की सार्थकता जौनपुर जनपद के ग्रामीण अंचल की छात्रा जाह्नवी के जीवन से प्रमाणित होती है। एक सामान्य राजगीर मिस्त्री परिवार से संबंध रखने वाली जाह्नवी के लिए उत्कृष्ट स्तर की शिक्षा प्राप्त करना एक समय अत्यंत कठिन चुनौती थी। सीमित पारिवारिक संसाधनों के बावजूद जाह्नवी ने जिला प्रशासन और श्रम विभाग द्वारा आयोजित अटल आवासीय विद्यालय की पारदर्शी प्रवेश परीक्षा में अपनी प्रतिभा सिद्ध की। वर्तमान में वह करसड़ा स्थित विद्यालय परिसर में कक्षा 11 वीं की नियमित छात्रा है और अपने उज्ज्वल भविष्य की ठोस नींव रख रही है। छात्रा जाह्नवी के अनुसार, यह योजना श्रमिक वर्ग के बच्चों के लिए वास्तविक वरदान सिद्ध हुई है, जहाँ आवास, पौष्टिक भोजन, गणवेश, पाठ्य-पुस्तकें, स्टेशनरी और स्वास्थ्य देखभाल जैसी सभी मूलभूत आवश्यकताएं पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। यहाँ अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि अनुशासन, संस्कार, खेलकूद और आत्मबल का ऐसा सकारात्मक वातावरण मिलता है, जो उन्हें किसी भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बनने के लिए प्रेरित करता है। जनपद जौनपुर में जिला प्रशासन एवं श्रम विभाग के समन्वित प्रयासों से इस योजना के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (न्ठब्ब्ॅ) के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और 'मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना' के पात्र बच्चों की पहचान हेतु जनपद के विकास खंडों, तहसीलों और ग्राम पंचायतों में निरंतर विशेष जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसका प्रत्यक्ष परिणाम यह रहा है कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षाओं में जौनपुर से आवेदन करने वाले बच्चों की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है।

जिला विद्यालय निरीक्षक एवं श्रम कार्यालय तंत्र के माध्यम से कक्षा 6 और कक्षा 9 के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन पूर्ण शुचिता, निष्पक्षता और पारदर्शी व्यवस्था के तहत किया जाता है। ग्रामीण व सुदूर क्षेत्रों के श्रमिक परिवारों को आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा पाठ्यक्रम तथा चयन मानकों की विस्तृत जानकारी समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाती है, जिससे वास्तविक रूप से पात्र और वंचित बच्चे इस व्यवस्था से जुड़कर लाभान्वित हो सकें।

विद्यालय परिसर में छात्रों को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के पाठ्यक्रम के अनुरूप आधुनिक शिक्षा प्रदान की जा रही है। भाषा और विज्ञान के सैद्धांतिक अध्ययन के साथ-साथ यहाँ सुसज्जित कंप्यूटर लैब, भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान की आधुनिक प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय और डिजिटल स्मार्ट क्लासरूम की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस बहुआयामी शैक्षणिक दृष्टिकोण के माध्यम से जौनपुर के ग्रामीण परिवेश से आने वाले बच्चे भी डिजिटल साक्षरता और तकनीकी दक्षता में दक्ष हो रहे हैं।

पठन-पाठन के अतिरिक्त छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए परिसर में एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल, योग तथा अन्य शारीरिक गतिविधियों के लिए मानक खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और पोषण पर विशेष बल दिया जाता है, जहाँ आहार विशेषज्ञों के परामर्श पर आधारित पौष्टिक एवं संतुलित भोजन छात्रावास में निःशुल्क दिया जाता है। नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और चिकित्सकीय सुविधाएं भी प्रशासन द्वारा समय पर सुनिश्चित की जाती हैं।

प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना के द्वितीय चरण का विस्तार राज्य के सभी 57 गैर-मंडलीय जनपदों में किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस दूरगामी नीति के तहत जनपद जौनपुर में स्थानीय स्तर पर नए अटल आवासीय विद्यालय परिसर की स्थापना हेतु प्रशासनिक स्तर पर भूमि चिन्हांकन तथा प्रारंभिक तकनीकी प्रक्रियाओं को तीव्र गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। जनपद स्तर पर पृथक परिसर स्थापित होने से जौनपुर के श्रमिकों के बच्चों को कक्षा 1 से 12 तक की संपूर्ण आवासीय शिक्षा जनपद की सीमा के भीतर ही सुलभ हो सकेगी। आर्थिक विषमता और सामाजिक पिछड़ेपन को दूर करने में अटल आवासीय विद्यालय योजना एक क्रांतिकारी मॉडल बनकर उभरी है। जिला प्रशासन और प्रदेश सरकार का यह साझा प्रयास श्रम शक्ति के सम्मान और वंचित वर्ग के सशक्तिकरण को नई ऊंचाई प्रदान कर रहा है।

सीढ़ियों पर साथ में बहन भी थी ■ स्टाइलिश ड्रेस में 2 वीडियो सामने आए

मॉडल श्रद्धा शिवा का हाथ पकड़ फ्लैट से उतरते दिखी

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में करोड़पति कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड की आरोपी श्रद्धा दुबे के शनिवार को दो और वीडियो सामने आए हैं। पहले वीडियो में श्रद्धा अकेले जबकि, दूसरे वीडियो में सीढ़ी से शिवा का हाथ पकड़कर नीचे उतरते हुए दिख रही है। इस दौरान उसकी बहन रश्मि भी दोनों के साथ है।

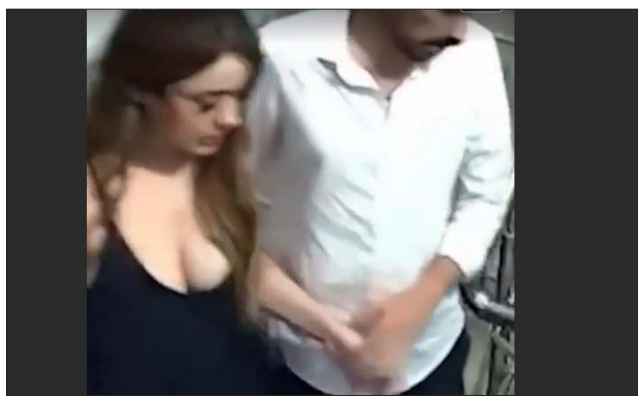

श्रद्धा का पहला वीडियो सुबह तड़के का है, जिसमें वो लेट नाइट पार्टी करके अकेले लौटती दिख रही है। उसमें वह वेस्टर्न ड्रेस पहने दिखाई दे रही। वहीं दूसरा वीडियो 4 अगस्त का बताया जा रहा है।शिवा की मौत के बाद से श्रद्धा दुबे से जुड़े कई वीडियो चर्चा में हैं। इसके अलावा घटना वाले दिन श्रद्धा समेत कोई भी सीढ़ियों का इस्तेमाल नहीं किया। सभी चालाकी से लिफ्ट का इस्तेमाल करके निकल गए क्योंकि श्रद्धा को फर्स्ट फ्लोर पर सीसीटीवी लगे होने की जानकारी थी। इसके अलावा बालकनी के तरफ लगा सीसीटीवी की डायरेक्शन भी उसको पता थी क्योंकि जिस तरफ शिवा गिरा है, वह सीसीटीवी के बैक साइड है। जबकि, श्रद्धा का फ्लैट और अजय राय का फ्लैट एक ही फेस पर बना हुआ है।

'अपार्टमेंट में सीसीटीवी लगने से नाराज थी'

श्रद्धा के अपार्टमेंट में रहने वाले पड़ोसी अजय राय ने बताया कि वह काफी गुस्सैल किस्म की है। वह ऐसे-ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करती थी, जो कोई पुरुष भी बोलने से पहले सोचता है, लेकिन वह बेधड़क उसी भाषा में बात करती थी। जब हमने सीसीटीवी लगाया था, तो उसे लेकर भी श्रद्धा ने झगड़ा किया था। वह गाली देते हुए अपने फ्लैट तक गई थी।

■ शनिवार सुबह श्रद्धा का ये वीडियो पहले सामने आया, जिसमें वो अकेले फ्लैट पर लौटते हुए दिख रही है।

कोर्ट ने गुरुवार को मॉडल श्रद्धा दुबे, उसकी बहन और ड्राइवर समेत 10 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा है। इससे पहले पुलिस ने हजरतगंज थाने में उससे साढ़े 6 घंटे तक पूछताछ की थी। तीनों को घटना के 11 दिन बाद नागपुर के एक अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया था।

डिग्री कॉलेज के निर्माण में देरी पर भड़के नगर आयुक्त

ठेकेदार को नोटिस जारी करने के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ नगर निगम के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों का नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शनिवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और लापरवाही पर सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जब नगर आयुक्त अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कॉलेज पहुंचे, तो वहां चल रहे निर्माण कार्य की रफ्तार बेहद धीमी मिली। कार्य की इस सुस्ती पर नगर आयुक्त ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित ठेकेदार को तत्काल नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कार्य में अपेक्षित तेजी नहीं लाई गई, तो संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट (डिबार) करने की कड़ी कार्रवाई पर भी विचार किया जाएगा। उन्होंने दो टूक कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जोन-7 के अंतर्गत बंधा रोड पर बनाए जा रहे नए आरआर वर्कशॉप का नगर आयुक्त ने निरीक्षण किया। यहां उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति को परखा और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे तय समयसीमा के भीतर पूरी गुणवत्ता के साथ इस वर्कशॉप का निर्माण कार्य हर हाल में पूरा करवाएं। नगर आयुक्त जोन-6 स्थित कश्मीरी मोहल्ला स्कूल पहुँचे, जहां उन्होंने छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार किए गए विज्ञान और क्राफ्ट के सुंदर मॉडलों की प्रदर्शनी को देखा और बच्चों की सराहना की।

फास्ट न्यूज

पीएसीएस कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन

लखनऊ। लखनऊ के इको गार्डन में शनिवार को प्रदेशभर की साधन सहकारी समितियों के कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। सभी कर्मचारी आज से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। पैक्स (PACS) कर्मचारियों ने वेतन भुगतान की व्यवस्था सरकारी कोष से करने, बकाया वेतन दिलाने और वेतन निर्धारण की व्यवस्था में बदलाव की मांग उठाई।

लखनऊ में बस की टक्कर से घायल ठेकेदार की मौत

मोहनलालगंज । लखनऊ के पीजीआई क्षेत्र के सेक्टर-12बी चौराहे पर बस की टक्कर से घायल पाइपलाइन ठेकेदार देवेंद्र कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई। शुक्रवार को ट्रामा सेंटर में उन्होंने दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो परिजनों ने अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। परिवार के एक सदस्य को नौकरी और मुआवजा देने की मांग को लेकर परिजन अड़े रहे। सूचना पर पीएसी और पीजीआई इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिवार को काफी देर तक समझाया।

डिज़ाइन शिक्षा पर केंद्रित कॉन्क्लेव

लखनऊ। लखनऊ में एकेडमी फॉर क्रिएटिव स्टूडेंट्स (एसीएस) की ओर से शनिवार को 'आकार-द नेशनल डिजाइन कॉन्क्लेव 2026' का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजाइन शिक्षा, रचनात्मकता, फैशन इंडस्ट्री और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करियर के अवसरों से परिचित कराना रहा। फैशन डिजाइन प्रतियोगिता में सिटी मांटेसरी स्कूल की चौक शाखा की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया।

45 महिलाओं के साथ बैरक में बंद श्रद्धा कोई मिलने नहीं पहुंचा

खाने में मिली दाल-रोटी, सुबह 6 बजे जगाई गई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के चर्चित शिवा शर्मा हत्याकांड की आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे, रश्मि दुबे और उसके ड्राइवर तनवीर को गुरुवार को जिला जेल भेजा गया। क्वारंटाइन रहने के बाद शुक्रवार को दोनों बहनों को 45 महिलाओं की सामान्य बैरक में शिफ्ट किया गया। जेल पहुंचने के बाद श्रद्धा ने किसी से बात नहीं की। शुक्रवार तड़के कुछ देर के लिए आंख लगी, लेकिन सुबह 6 बजे जेल प्रशासन ने जगा दिया। जेल प्रशासन के मुताबिक, गुरुवार रात जेल में दाखिले के समय श्रद्धा सामान्य दिखने की कोशिश कर रही थी, लेकिन उसके चेहरे पर तनाव नजर आ रहा था। रात के खाने में उसे साबुत उड़द की दाल, रोटी और आलू-सोया मेथी की सब्जी दी गई। जिसे पूरा नहीं खाया। शुक्रवार सुबह नाश्ते में मीठी दलिया और चाय दी गई।

गुरुवार को हजरतगंज थाने में तीनों से अलग-अलग करीब साढ़े 6 घंटे तक पूछताछ की गई। लेकिन श्रद्धा ने किसी बात का जवाब नहीं दिया। उसने पुलिस टीम से कहा कि आप मेरे वकील से बात करिए। सिविल अस्पताल में तीनों का मेडिकल कराने के बाद पुलिस ने शाम को कोर्ट में पेश किया। इसके बाद लखनऊ कोर्ट ने तीनों को 10 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

लग्जरी लाइफ छोड़कर जेल के नियमों को मानना होगा

लग्जरी लाइफस्टाइल अपना चुकी श्रद्धा को अब सब छोड़कर जेल के नियमों को मानना होगा। वहीं की दिनचर्या के हिसाब से श्रद्धा और उसकी बहन रश्मि को रहना होगा। उसे एक सामान्य बैरक मिला है जिसमें 45 अन्य महिला कैदी हैं। सबके लिए बनने वाले खाने से ही उसे भी मिलेगा। उसे कोई भी अतिरिक्त सुविधा नहीं दी जाएगी। जेल के नियमों के चलते शुक्रवार सुबह 6 बजे श्रद्धा को जगा दिया गया। सुबह 7 बजे नाश्ते में मीठी दलिया और चाय दी गई। करीब 11 बजे दोपहर के भोजन में साबुत उड़द और राजमा की दाल, आलू-लौकी की सब्जी, चावल और रोटी दिया गया।

34,845 आवेदन स्वीकृत, पात्र लाभार्थियों तक सहायता पहुंचाने के लिए डिजिटल सत्यापन पर जोर

योगी सरकार में 72,540 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य

सहयोग

- योगी सरकार में बेटियों के विवाह की पहल लोकप्रियता के शिखर पर, सामूहिक विवाह योजना में 1.16 लाख से अधिक आवेदन
- अब तक 28,833 जोड़ों की शादी संपन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बेटियों के विवाह के लिए सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बनकर सामने आई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के तहत प्रदेशभर से 1,16,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। योगी सरकार ने इस वित्तीय वर्ष में 72,540 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें 28,833 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जा चुका है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रत्येक जोड़े के विवाह पर कुल 1 लाख रुपये की सहायता का प्रावधान है। इसमें 64 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में गृहस्थी बसाने के लिए दिए जाते हैं, जबकि 21 हजार रुपये वैवाहिक उपहार सामग्री और 15 हजार रुपये विवाह समारोह की आवश्यक व्यवस्थाओं पर खर्च किए जाते हैं। इस व्यवस्था का उद्देश्य परिवारों पर विवाह के दौरान पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करना और नवदंपती को नई गृहस्थी शुरू करने में सहयोग देना है। योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ई-केवाईसी और ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से आय एवं जाति प्रमाणपत्रों के डिजिटल सत्यापन की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही आधार आधारित भुगतान प्रणाली के जरिए पात्र लाभार्थियों के आधार से जुड़े बैंक खातों में सहायता राशि पहुंचाने का प्रावधान है।

34,845 आवेदन स्वीकृत, पात्रता के आधार पर हो रही जांच

समाज कल्याण विभाग के निदेशक संजीव सिंह ने बताया कि, वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्राप्त कुल 1,16,668 आवेदनों में से 34,845 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं, जबकि जांच के दौरान 11,679 आवेदन अपात्र पाए गए हैं। शेष आवेदनों की स्थिति स्पष्ट होने पर योजना के तहत आवेदन से स्वीकृति तक की प्रक्रिया की तस्वीर और साफ होगी। योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को विवाह के खर्च में राहत देना और बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराने में सहयोग करना है।

गुणवत्तापूर्ण संचालन एवं बेहतर प्रबंधन के लिए केंद्रों को मिला आईएसओ प्रमाणन

योगी सरकार का दिव्यांग बच्चों की शुरुआती शिक्षा पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार दिव्यांग बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें विद्यालयी शिक्षा के लिए तैयार करने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश में 3 से 7 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों के लिए बचपन डे केयर सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से बच्चों की सीखने की क्षमता विकसित करने, उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप शैक्षिक सहयोग उपलब्ध कराने और उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश में वर्तमान में 25 बचपन डे केयर सेंटर संचालित हैं, जिनकी कुल क्षमता 1,490 बच्चों की है। इनमें 1,463 बच्चे नामांकित हैं। इस प्रकार केंद्रों की कुल क्षमता के सापेक्ष लगभग 98 प्रतिशत नामांकन दर्ज किया गया है। योजना के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में अवशेष जनपदों में 28 नए बचपन डे केयर सेंटरों की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है। इससे अधिक दिव्यांग बच्चों तक प्रारंभिक शिक्षा और आवश्यक सहयोग की सुविधाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के उपनिदेशक डॉ. अमित कुमार राय ने कहा कि प्रदेश सरकार दिव्यांग बच्चों को शुरुआती उम्र से शिक्षा से जोड़ने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। बचपन डे केयर सेंटरों के माध्यम से 3 से 7 वर्ष तक के बच्चों को प्री-स्कूल शिक्षा के लिए तैयार किया जा रहा है। प्रदेश में संचालित 25 केंद्रों में 1,463 बच्चों का नामांकन इस पहल की उपयोगिता को दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अवशेष जनपदों में 28 नए केंद्रों की स्थापना की मंजूरी से अधिक बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

बचपन डे केयर सेंटरों में सेवाओं की गुणवत्ता और संचालन व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में केंद्रों को गुणवत्ता प्रबंधन एवं संचालन व्यवस्था के लिए आईएसओ प्रमाणन प्रदान किया गया है। इससे निर्धारित मानकों के अनुरूप सेवाओं के संचालन और प्रबंधन में निरंतर सुधार को प्रोत्साहन मिलेगा।

18 मंडलीय जनपदों सहित सात आकांक्षी जिलों में संचालन

प्रदेश में लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, झांसी, बरेली, आगरा, सहारनपुर, गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ़, चित्रकूट, मुरादाबाद, बस्ती, मिर्जापुर, आजमगढ़, कानपुर नगर, अयोध्या, गोंडा और गोरखपुर में बचपन डे केयर सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त सात आकांक्षी जिलों चंदौली, सिद्धार्थनगर, बहराइच, श्रावस्ती, फतेहपुर, बलरामपुर और सोनभद्र में भी नए केंद्रों का संचालन शुरू हो चुका है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अवशेष जनपदों में 28 नए केंद्रों की स्थापना को मिली मंजूरी से इस पहल का और विस्तार होगा।

विभिन्न श्रेणियों के 1,463 बच्चों को मिल रहा लाभ

बचपन डे केयर सेंटरों में नामांकित बच्चों में 465 श्रवण-बाधित, 342 दृष्टिबाधित, 520 बौद्धिक दिव्यांग और 136 लर्निंग डिसेबिलिटी (एलडी) से संबंधित बच्चे शामिल हैं। इन केंद्रों का उद्देश्य बच्चों को उनकी जरूरतों के अनुरूप सीखने का वातावरण उपलब्ध कराना, संवाद एवं सामाजिक व्यवहार विकसित करने के अवसर देना और उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए तैयार करना है।

राजधानी के वृंदावन मैदान में किसानों की महापंचायत

बिजली, सिंचाई समेत 8 विभागों से जुड़ी मांगें उठाईं

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज । भारतीय किसान क्रांति यूनियन की ओर से 24 अक्टूबर को वृंदावन मैदान में आयोजित किसान महापंचायत के जरिए किसानों की विभिन्न समस्याओं को उठाया गया। यूनियन ने लखनऊ में नवंबर 2025 से लागू वर्टिकल विद्युत व्यवस्था समाप्त कर पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग की। इसके साथ ही बिजली, सिंचाई, कृषि, गन्ना भुगतान, राजस्व और छुट्टा पशुओं समेत किसानों से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए मुख्यमंत्री को मांगपत्र सक्षम अधिकारी के माध्यम भेजेंगे।

यूनियन ने ऊर्जा विभाग और उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन से गलत बिजली बिल, मीटर संबंधी शिकायतों, फॉल्ट और विद्युत आपूर्ति की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण कराने की मांग की। कृषि नलकूपों को निर्धारित समय तक बिजली देने और शिकायतों के निस्तारण में अधिकारियों की जवाबदेही तय करने पर भी जोर दिया गया।

लघु सिंचाई विभाग से उथली, मध्यम गहरी और गहरी बोरिंग योजनाओं की जांच कराने की मांग की गई। खराब बोरिंग की तकनीकी जांच कर पात्र मामलों में मरम्मत तथा पाइप, पी-ग्रेवल, गिट्टी, माप पुस्तिका और बोरिंग प्रमाणपत्र से जुड़े अभिलेखों का सत्यापन कराने की बात कही गई।

जांच : प्रदेशभर में किए गए अब तक 149 निरीक्षण, 79 मामलों में सुधार नोटिस जारी करने की संस्तुति

यूपी में ऑनलाइन फूड स्टोर्स पर यूपीएफएसडीए की बड़ी कार्रवाई

- 4 के लाइसेंस निलंबित और कारोबार बंद
- 21 खाद्य नमूने जांच के लिए लिए भेजे गए, निरीक्षण अभियान जारी
- ऑनलाइन खाद्य आपूर्ति में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना अभियान का लक्ष्य

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपभोक्ताओं तक पहुंचने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने प्रदेशव्यापी विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। 'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के तहत ब्लिंकिट, जेप्टो, अमेजन, रिलायंस, मेट्रो समेत विभिन्न ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़े वेयरहाउस, डार्क स्टोर्स और खाद्य आपूर्ति केंद्रों की जांच की जा रही है। अभियान के दौरान अब तक चार स्टोर्स के लाइसेंस निलंबित कर खाद्य कारोबार का संचालन बंद कराया गया है। वहीं, कुल 149 निरीक्षण किए गए हैं और 21 खाद्य नमूने जांच के लिए संग्रहित किए गए हैं। निरीक्षण में खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण, परिसर की स्वच्छता, तापमान नियंत्रण, वैधता अवधि और लाइसेंस की शर्तों के अनुपालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गाजियाबाद में आरडीएल के निकट स्थित जेप्टो वेयरहाउस स्टोर के निरीक्षण के दौरान परिसर में अत्यधिक गंदगी, दीवारों पर जाले, क्षतिग्रस्त फर्श और खाद्य परिसर में कॉकरोच पाए गए। खाद्य परिसर में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी गंभीर कमियों को देखते हुए प्रतिष्ठान के खाद्य लाइसेंस के निलंबन की कार्रवाई की जा रही है।

'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के तहत ब्लिंकिट, जेप्टो, अमेजन, रिलायंस समेत ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के वेयरहाउस और डार्क स्टोर्स की गहन जांच

गाजियाबाद के जेप्टो वेयरहाउस में गंदगी और कॉकरोच, कानपुर में भंडारण व लाइसेंस संबंधी अनियमितताएं उजागर

आगरा में करीब 68 हजार रुपये मूल्य के मखाने के 273 पैकेट सीज

चार स्टोर्स के लाइसेंस निलंबित, खाद्य कारोबार बंद

अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन में कमियां मिलने पर चार स्टोर्स के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं और खाद्य कारोबार का संचालन बंद कराया गया है। इसके अलावा, 79 मामलों में सुधार सूचना (इंप्रूवमेंट नोटिस) जारी करने की संस्तुति की गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमें विभिन्न जिलों में निरीक्षण कर रही हैं। जांच के दौरान सामने आने वाली अनियमितताओं के आधार पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

उत्तर रेलवे द्वारा ट्रैक्शन पावर कंट्रोलरों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू

उत्तर रेलवे में रेल परिचालन की सुरक्षा और विश्वसनीयता को बेहतर बनाने की दिशा में पहल

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के विद्युत विभाग ने ट्रैक्शन पावर कंट्रोलरों के तकनीकी कौशलए परिचालन दक्षता और सुरक्षा को बढ़ाने के उद्देश्य से एक सुव्यवस्थित क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम का पहला तीन दिवसीय बैच 12 से 14 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया गया। नवंबर 2026 के अंत तक कुल छह बैच आयोजित किए जाने निर्धारित हैंए जिनमें उत्तर रेलवे के सभी छह मण्डलों को शामिल किया जाएगा। पहले बैच में उत्तर रेलवे के जम्मूए फिरोजपुरए अम्बालाए दिल्लीए मुरादाबाद और लखनऊ मण्डलों के कुल 14 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम विद्युत प्रशिक्षण केन्द्रए गाजियाबाद में आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत दिल्ली मण्डल में ैब्।क्। एवं त्ब्ब् केन्द्रों तथा चाणक्यपुरी स्थित 25 केवी ट्रैक्शन सब.स्टेशन का क्षेत्रीय भ्रमण भी कराया गया।

25 केवी ट्रैक्शन विद्युत आपूर्ति की निगरानी और नियंत्रणए फील्ड स्टाफ एवं परिचालन नियंत्रण के साथ समन्वय तथा विद्युत आपूर्ति में व्यवधान की स्थिति से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस कार्यक्रम में कक्षा आधारित प्रशिक्षणए सिम्युलेटर पर व्यावहारिक अभ्यास और क्षेत्रीय प्रशिक्षण को शामिल किया गया हैए ताकि कर्मचारी सामान्य परिचालन परिस्थितियों के साथ.साथ आपातकालीन स्थितियों में भी सुरक्षित और प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें। प्रणालियोंए ट्रैक्शन सब.स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा फील्ड स्टाफ एवं नियंत्रण केन्द्र के साथ समन्वय से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे दिन ैब्।क्। प्रशिक्षण सिम्युलेटर पर व्यावहारिक अभ्यास कराया गयाए जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप परिचालन संबंधी निर्णय लेने और आपातकालीन स्थितियों से निपटने का अभ्यास करने का अवसर मिला। तीसरे दिन चाणक्यपुरी स्थित ट्रैक्शन सब.स्टेशन में उपकरणों के संचालन और सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी देने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

7 फीट की दीवार फांदी, धरने पर बैठे छात्रों से मुलाकात की, बाहर निकले तो पुलिस ने पकड़ा

सांसद इमरान मसूद आधी रात दिल्ली की यूनिवर्सिटी में घुसे

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर । सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद शुक्रवार रात दीवार फांदकर दिल्ली की जामिया यूनिवर्सिटी में घुस गए। छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर 12 दिन से धरने पर बैठे छात्रों से मुलाकात की।

उन्होंने छात्रों से कहा- आपकी जान कीमती है और आप भूख हड़ताल पर हैं। यूनिवर्सिटी प्रशासन को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। ऐसा न करना शर्मनाक है। छात्रों के संवैधानिक अधिकारों को कुचला जा रहा है। राहुल गांधी इस लड़ाई को मजबूती से लड़ रहे हैं। ये हमारे बच्चे हैं, मैं इनके लिए अपनी जान भी दे सकता हूं। दरअसल, यूनिवर्सिटी के गेटों पर भारी पुलिस बल तैनात था। मसूद को अंदेशा था कि गेट से जाने पर पुलिस उन्हें रोक सकती है, इसीलिए उन्होंने 6-7 फीट की दीवार फांदकर अंदर जाने का फैसला किया। हालांकि, बाहर निकलते समय पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और थाने ले गई। करीब 6 घंटे बाद शनिवार तड़के उन्हें छोड़ा गया। पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें इमरान जमीन पर बैठकर छात्रों से बात करते दिखाई दे रहे हैं। पूरे घटनाक्रम के कई वीडियो सामने आए हैं। इसमें कांग्रेस सांसद इमरान मसूद आधी रात में दीवार फांद रहे हैं। कुछ लोग दीवार चढ़ने में उनकी मदद कर रहे हैं, जबकि कुछ दीवार के ऊपर से उनका हाथ पकड़कर खींच रहे हैं। दीवार फांदने के बाद इमरान मसूद जमीन पर छात्रों के साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं। भूख हड़ताल कर रहे छात्रों का हाथ पकड़कर उन्हें समर्थन का दावा कर रहे हैं। उनका हालचाल पूछ रहे हैं। उनसे बात कर रहे हैं। हिरासत से छोड़े जाने के बाद यूपी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद ने बताया- हमें पता था कि अगर हम सामने के रास्ते से जाएंगे तो पुलिस हमें जाने नहीं देगी। इसलिए हमने पीछे से दीवार कूदकर अंदर गए। बच्चों से बात भी की। हम वापस गेट से ही आए तो पुलिस ने हमें हिरासत में ले लिया। थाने में रखा। सुबह 5:30 बजे छोड़ा।

बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किए जाने पर भी इमरान मसूद ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वह छात्रों से मिलने आ रहे थे, ऐसे में इतनी पुलिस फोर्स लगाने की क्या जरूरत थी। छात्रों से मिलना कोई गुनाह नहीं है। इस मसले पर वीसी और प्रशासन से बात करूंगा। वे जल्द छात्रों की मांगों को पूरा करवाने का काम करेंगे।

'बच्चे देश का भविष्य, अधिकारों को दबाने की कोशिश'

दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में छात्र 12 अक्टूबर से धरने और भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उन्हें समर्थन देने के लिए इमरान मसूद और सपा MLC शहनवाज खान यूनिवर्सिटी पहुंच गए। जमीन पर बैठकर छात्रों से बात की। छात्र संघ की बहाली और अधिकारों को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन पर सवाल उठाए। मसूद ने कहा- ये बच्चे देश का भविष्य हैं। उनके अधिकारों को दबाने की कोशिश की जा रही है। प्रशासन बताए कि छात्र संघ की बहाली क्यों नहीं की जा रही है।

इमरान मसूद को विश्वविद्यालय के गेट से हिरासत में ले लिया गया।

'मैं भारत को तोड़ने वाले किसी भी नारे का समर्थन नहीं करता'

यूनिवर्सिटी की दीवारों पर 'फ्री कश्मीर' और 'फ्री शरजील इमाम' जैसे नारों और पोस्टरों को लेकर मसूद ने कहा- वह भारत को तोड़ने वाले किसी भी नारे का समर्थन नहीं करते। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। कुछ लोग पोस्टर लगाकर छात्रों के आंदोलन को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। ये ठीक नहीं है। हम लोग संविधान को मानने वाले लोग हैं।

भूख हड़ताल कर रहे छात्रों से हाल-चाल जानते इमरान मसूद।

फास्ट न्यूज

सिक्योरिटी गार्ड पर 4 क्विंटल का गेट गिरा, तड़पकर मौत

कानपुर । कानपुर में नाइट ड्यूटी के दौरान गेट बंद करते समय 50 साल के सिक्योरिटी गार्ड पर 4 क्विंटल का गेट गिर गया। नीचे दबने से उसकी मौत हो गई। घरवालों का आरोप है कि गेट पिछले 10 दिन से खराब था।

शिकायत करने के बावजूद मरम्मत नहीं कराई गई। उन्होंने फ्लैट मालिक पर लापरवाही का आरोप लगाया। हादसे का वीडियो भी सामने आया है।

कानपुर में बेटी का अश्लील वीडियो पिता को भेजा

कानपुर । कानपुर में रिहैब सेंटर के पूर्व कर्मचारी ने 17 साल की छात्रा और उसके साथी छात्र का अश्लील वीडियो वायरल कर दिया। इसमें सेंटर में पढ़ने वाला दिव्यांग छात्र लड़की के साथ कमरे में अश्लील हरकत करता दिखाई दे रहा है। लड़की के घरवाले शुक्रवार को कमिश्नर ऑफिस पहुंचे। उन्होंने शिकायत की कि गुरुवार (22 अक्टूबर) देर रात मोबाइल पर उनकी मानसिक रूप से बीमार बेटी का अश्लील वीडियो भेजा गया। कमिश्नर रघुबीर लाल ने तुरंत थाना पुलिस को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

कानपुर मंडल के कप्तान बने आदित्य चौरसिया

कानपुर । 70वीं प्रदेशीय विद्यालयीय स्टेट क्रिकेट प्रतियोगिता 26 से 30 अक्टूबर तक जनपद के विभिन्न मैदानों में आयोजित की जाएगी। अंडर 17 में हर सहाय जगदंबा सहाय इंटर कॉलेज के छात्र और ए एस क्रिकेट एकेडमी के खिलाड़ी आदित्य चौरसिया को कानपुर मंडल की कमान सौंपी गई है।

सांसद अफजाल अंसारी की तबीयत बिगड़ी, आईसीयू में भर्ती

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजीपुर। गाजीपुर से सपा सांसद अफजाल अंसारी की तबीयत बिगड़ गई। शुक्रवार शाम उन्हें उल्टियां होने लगीं। हालत बिगड़ने पर परिजन नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर कर दिया। इसके बाद उन्हें गाजीपुर से एंबुलेंस से लाकर लखनऊ मेदांता में गैस्ट्रो विभाग में भर्ती कराया गया है।

हॉस्पिटल ने शनिवार को हेल्थ बुलेटिन जारी कर बताया- अफजाल अंसारी को पेट में तेज दर्द के बाद यहां लाया गया। जांच में पता चला कि उनके पैंक्रियास (अग्न्याशय) में सूजन है। उन्हें हल्का पीलिया भी है। फिलहाल उन्हें ICU में रखा गया है। डॉ. अभय वर्मा और डॉ. दिलीप दुबे की टीम उनकी देखभाल में लगी हैं। इससे पहले परिजनों ने बताया कि अफजाल लंबे समय से लिवर की बीमारी से जूझ रहे हैं। शुक्रवार सुबह गले में खराश, सर्दी की समस्या थी। इस बीच, घी और गुड़ का घरेलू नुस्खा अपना लिया। अचानक उल्टियां होने लगीं। तेज बुखार आ गया। पेट के ऊपरी हिस्से और सीने के नीचे तेज दर्द होने लगा। अफजाल की तबीयत बिगड़ने की जानकारी सबसे पहले मुख्तार अंसारी के बेटे और विधायक अब्बास अंसारी ने दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा- बड़े अब्बा की सेहत खराब हो गई है। लखनऊ में इलाज चल रहा है।

घी-गुड़ खाने के बाद उल्टियां हुईं, गाजीपुर से लखनऊ मेदांता लाकर भर्ती कराना पड़ा

मुजफ्फरनगर में चंद्रशेखर बोले- ये सरकार तुष्टीकरण की राजनीति कर रही, नेस्तनाबूद करेंगे

'नमाज पढ़ने वाले को जूते मारकर जेल भेजा'

तमसा संकेत, एजेंसी

मुजफ्फरनगर। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद शनिवार को दोपहर ढाई बजे मुजफ्फरनगर के मोरना पहुंचे। चंद्रशेखर ने मंच से जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, केंद्रीय शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा, हम लोग बता दें, जब नीले पट्टे चढ़ जाएंगे तो इंसाफ लेकर ही मानेंगे।

ये लोग बाबा साहेब की जयंती की परमीशन नहीं देते हैं। अगर कोई 5 मिनट सड़क पर नमाज अदा करता है तो ये सरकार जूते मार-मारकर उसको जेल भेजने का काम करते हैं। ये सरकार तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। ये लोग नारा जरूर लगाते हैं, सबके साथ-सबके विकास का लेकिन इनकी नस-नस में तुष्टीकरण है। ये लोग देश को कमजोर करना चाहते हैं। इस सोच को नेस्तनाबूद करने का काम हम लोग करेंगे। बता दें, यह सभा मीरापुर विधानसभा से पार्टी प्रत्याशी रविन्द्र भाटी के समर्थन में हो रही है। पार्टी इस जनसभा के जरिए अपनी राजनीतिक ताकत दिखाएगी। मंच पर गुर्जर समाज के लोगों ने सांसद चन्द्रशेखर को सम्राट मिहिर भोज की मूर्ति भेंट कर स्वागत किया। वहीं एक बच्चे ने चंद्रशेखर को अपना गुल्लक गिफ्ट किया। मीरापुर विधानसभा का सामाजिक समीकरण ऐसा है, जहां विभिन्न समुदायों का समर्थन चुनावी मुकाबले को प्रभावित करता है। राष्ट्रीय लोकदल और समाजवादी पार्टी जैसे अन्य दलों की मौजूदगी के बीच आजाद समाज पार्टी के लिए समर्थन बढ़ाना जरूरी है।

बता दें, मीरापुर विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या लगभग तीन लाख है। 2024 के उपचुनाव में 3,25,277 मतदाता थे, जबकि 2026 की रिपोर्ट के अनुसार यह संख्या 2,99,491 बताई गई है।

ये समुदायवार आंकड़े अनुमानित

मीरापुर विधानसभा के चुनावी समीकरण में मुस्लिम, दलित, गुर्जर और जाट मतदाताओं को महत्वपूर्ण माना जाता है। मीडिया रिपोर्टों में उपलब्ध अनुमानित सामाजिक आंकड़ों के अनुसार, क्षेत्र में मुस्लिम मतदाता करीब एक लाख, दलित मतदाता लगभग 50 हजार, गुर्जर मतदाता करीब 30 हजार और जाट मतदाता लगभग 29 हजार बताए गए हैं। इसके अलावा सैनी, पाल, कश्यप, प्रजापति और अन्य पिछड़े वर्गों के मतदाता भी चुनावी समीकरण में भूमिका निभाते हैं। ये समुदायवार आंकड़े अनुमानित हैं, आधिकारिक जातिवार मतदाता गणना नहीं। प्रत्याशी रविन्द्र भाटी के पक्ष में समर्थन जुटाना और क्षेत्र में पार्टी की राजनीतिक सक्रियता को मजबूत करना है।

पत्नी मानने से इनकार करने पर भड़कीं एक्ट्रेस, बोलीं- राठौर को कोर्ट में चप्पलों से मारूंगी

अंकिता हत्याकांड : नार्को टेस्ट के लिए तैयार उर्मिला सनावर-सुरेश राठौर

तमसा संकेत, एजेंसी

देहरादून । अंकिता भंडारी हत्याकांड में एक्ट्रेस उर्मिला सनावर और पूर्व भाजपा विधायक सुरेश राठौर नार्को टेस्ट के लिए तैयार हैं। शुक्रवार को दोनों देहरादून के CBI कोर्ट पहुंचे। कथित VIP के नाम वाले ऑडियो को लेकर CBI ने उर्मिला सनावर और पूर्व भाजपा विधायक सुरेश राठौर को नोटिस जारी किया था, जिसके बाद दोनों आज कोर्ट पहुंचे। अदालत में उर्मिला के नार्को और पॉलीग्राफ टेस्ट को लेकर सुनवाई हुई। कोर्ट में पेशी के बाद उर्मिला सनावर ने कहा कि 26 तारीख को दोबारा पेश होने को कहा है और कहा है कि नार्को टेस्ट को लेकर अपनी सहमति पर विचार कर लें। उर्मिला सहारनपुर से देहरादून पहुंची थीं। सहारनपुर SSP ने उन्हें सुरक्षा के लिए एक गनर भी दिया था। उर्मिला BJP का झंडा लगी उत्तर प्रदेश नंबर की गाड़ी से कोर्ट पहुंचीं। गाड़ी का नंबर UP11BP3615 है और यह सहारनपुर में रजिस्टर है। वहीं, पूर्व भाजपा विधायक सुरेश राठौर भी कोर्ट पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह की जांच में CBI का पूरा सहयोग करेंगे। राठौर ने कहा कि वह नार्को टेस्ट के लिए भी पूरी तरह तैयार हैं और उन पर किसी का दबाव नहीं है। CBI ने वायरल ऑडियो की जांच के सिलसिले में उर्मिला के नार्को और पॉलीग्राफ टेस्ट कराने के लिए कोर्ट में आवेदन किया है। सुनवाई के दौरान उर्मिला की सहमति और टेस्ट से जुड़े पहलुओं पर विचार किया जाएगा।

एक्ट्रेस उर्मिला सनावर देहरादून कचहरी पहुंची यो हाई वोल्टेज ड्रामा हो गया, भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर ने उर्मिला को पत्नी मानने से इनकार किया तो अभिनेत्री ने बवाल मचा दिया। बोलीं, राठौर को यहीं कोर्ट में चप्पल से मारूंगी।

उर्मिला सनावर ने अंकिता भंडारी मौत मामले में जानकारी देते हुए वीडियो जारी किया है।

उर्मिला बोलीं- नार्को टेस्ट हुआ तो कई हत्याकांड के राज खुलेंगे

कोर्ट पहुंचीं उर्मिला सनावर ने कहा कि अगर उनका नार्को टेस्ट सही तरीके से और लाइव कैमरों के सामने कराया गया, तो अंकिता भंडारी हत्याकांड से लेकर नीलम हत्याकांड तक के कई राज खुलेंगे। उन्होंने कहा कि वह पीछे हटने वाली नहीं हैं। उर्मिला ने पूर्व विधायक सुरेश राठौर पर भी अपने नौकर की मौत को लेकर आरोप लगाए।

उर्मिला ने बताया कि वह देरी से इसलिए पहुंचीं, क्योंकि उन्हें 103 डिग्री बुखार था। उन्होंने कहा कि वह सुरक्षा के संबंध में सहारनपुर के SSP, DIG और SP सिटी से मिली थीं। उन्होंने महिला सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठाए।

दरोगा ने महिला को अकेले मिलने कमरे पर बुलाया

सस्पेंड

तमसा संकेत, एजेंसी

मऊ । मऊ में फरियादी महिला को फोन कर अकेले में मिलने बुलाने वाले दरोगा को सस्पेंड कर दिया गया है। महिला से आपत्तिजनक बातचीत का 16 मिनट का ऑडियो सामने आया था।

मामला जिला मुख्यालय से करीब 32 किलोमीटर दूर मधुबन थाने की दुबारी पुलिस चौकी का है। आरोपी दरोगा की पहचान ओमप्रकाश सिंह के रूप में हुई है। महिला सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से जुड़ी है। वह गोरखपुर की रहने वाली है और फिलहाल मऊ के मधुबन इलाके में रहती है। 21 अक्टूबर को ऑडियो सामने आने के बाद एसपी सर्वेश कुमार मिश्रा ने दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया था। जांच में ऑडियो की पुष्टि होने के बाद शुक्रवार शाम उसे सस्पेंड कर दिया गया। पीड़िता और आरोपी दरोगा के बीच बातचीत का एक ऑडियो 21 अक्टूबर को सामने आया था। इसमें आरोपी दरोगा ओम प्रकाश सिंह महिला के मामले में दूसरे पक्ष पर कार्रवाई का जिक्र करते हुए सुनाई दे रहे। दरोगा कह रहे- मेरा कहना मानोगी तो तुम्हारे विरोधियों का हाल मुख्तार अंसारी जैसा कर देंगे। मैंने तुम्हारे मामले में गंभीरता से कार्रवाई की, लेकिन तुमने बात करना छोड़ दिया।

मऊ में बोला- मेरी बात मानोगी तो तुम्हारे विरोधियों का हाल मुख्तार जैसा कर दूंगा

पृष्ठ 01 का शेष...

राहुल से एक नवंबर...

कॉकरोच जनता पार्टी और लेफ्ट ने भी 10 अक्टूबर को इसी मुद्दे पर प्रदर्शन बुलाया था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने इसकी इजाजत नहीं दी। इस दौरान शहर में बैरिकेडिंग की गई थी, 45 मेट्रो स्टेशन बंद रहे और 7 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया।

मुंबई में जैश-ए...

पुलिस का आरोप है कि वह सोशल मीडिया पर जैश-ए-मोहम्मद को बढ़ावा देने वाली सामग्री पोस्ट करता था।

ATS यह भी पता लगा रही है कि आरोपी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों से संपर्क थे या नहीं। मामले की जांच मुंबई ATS की कालाचौकी यूनिट कर रही है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी बिहार का रहने वाला है और करीब 10 साल से मुंबई में रह रहा था। वह माहिम इलाके में बाबा फलूदा के पास परफ्यूम बेचता था। इसके अलावा, वह रैपिडो ड्राइवर के तौर पर भी काम करता था।

मुंबई ATS की कालाचौकी यूनिट ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 196(1) के तहत मामला दर्ज किया है।

यह धारा धर्म, भाषा या अन्य आधारों पर अलग-अलग समूहों के बीच दुश्मनी बढ़ाने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने से जुड़े मामलों में लागू होती है।

शुक्रवार को अदालत ने आरोपी को पुलिस हिरासत में भेज दिया। ATS उसके मोबाइल फोन, सोशल मीडिया गतिविधियों और टेलीग्राम ग्रुप से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है।

जैश प्रमुख मसूद अजहर को 1994 में जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग से गिरफ्तार किया गया था। दिसंबर 1999 में काठमांडू से दिल्ली आ रही इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट IC-814 को अगवा कर अफगानिस्तान के कंधार ले जाया गया।

जामिया के 5 स्टूडेंट...

एक अन्य छात्र प्रदर्शनकारी अनस ने प्रॉक्टर और अनुशासन समिति की ओर से छात्रों को जारी कारण बताओ नोटिस वापस लेने की मांग की। अनस ने कहा कि छात्रों की यूनियन बहाल होने तक प्रदर्शन जारी रहेगा।

यूनिवर्सिटी कैंपस में 'फ्री कश्मीर' नारे वाली ग्रैफिटी को लेकर चल रहे विवाद पर भी अनस ने बात की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बाधित करने के लिए एक नैरेटिव फैलाया जा रहा है। उन्होंने यूनिवर्सिटी प्रशासन से मामले की जांच कराने की मांग की।

अनस ने कहा, "हमें नहीं पता कि यह नैरेटिव प्रशासन फैला रहा है या कोई और। यह जांच का विषय है, क्योंकि जामिया की सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रशासन की है। कैमरे चेक किए जाएं और देखा जाए कि ऐसे नारे कौन लिख रहा है। इससे मामला साफ हो जाएगा।"

अनस ने कहा कि प्रदर्शनकारी और भूख हड़ताल कर रहे छात्र इसमें बिल्कुल शामिल नहीं हैं। उनके मुताबिक, प्रदर्शन पहले दिन से शांतिपूर्ण रहा है और आगे भी शांतिपूर्ण रहेगा।

केरलम राज्यपाल ने ...

उन्होंने कहा कि केरलम की खान-पान की संस्कृति अलग है। तटीय राज्य होने के कारण यहां मछली भी बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। राज्य के लोग शाकाहारी या मांसाहारी भोजन चुनने के लिए स्वतंत्र हैं।

सूत्रों के मुताबिक, लोकभवन की रसोई में तैयार खाना सिर्फ राज्यपाल और उनके निजी स्टाफ के कुछ सदस्यों को दिया जाता है। अन्य कर्मचारी या तो घर से खाना लाते हैं या बाहर खाना खाते हैं। सूत्रों ने कहा कि उनके खाने की पसंद पर कोई रोक नहीं लगाई गई है।

संविधान का अनुच्छेद 21 गरिमापूर्ण जीवन के तहत भोजन का अधिकार देता है, हालांकि स्वास्थ्य और कानूनी आधार पर खान-पान पर उचित नियम लागू हो सकते हैं।

इसी संदर्भ में, केरलम में मछली केवल पारंपरिक भोजन और जीवनशैली का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह राज्य की 85% आबादी के पोषण का मुख्य स्रोत होने के साथ-साथ स्थानीय आजीविका, अर्थव्यवस्था और निर्यात का भी बड़ा आधार है।

'एआई मददगार हो,...

इस अवसर पर उन्होंने क्वांटम फॉरेंसिक्स और विधिक अनुपालन के क्षेत्र में कार्य करने वाले 'LEXQ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने कंसेंट मैनेजमेंट पोर्टल लॉन्च किया, 'अभेद्य' परियोजना की आधारशिला रखी और 'एआई इन कंस्ट्रक्शन' पुस्तक का विमोचन भी किया। सम्मेलन में साइबर सुरक्षा, डिजिटल साक्ष्य, क्वांटम तकनीक, फॉरेंसिक विज्ञान और एआई के न्यायिक व प्रशासनिक उपयोग पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए।

फॉरेंसिक विज्ञान की उपयोगिता समझाते हुए मुख्यमंत्री ने लोकप्रिय टीवी सीरियल 'सीआईडी' का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि पहले लोग टेलीविजन पर देखते थे कि एक बाल या फिंगरप्रिंट के आधार पर अपराधी तक कैसे पहुंचा जाता है। अब फॉरेंसिक विज्ञान और आधुनिक तकनीक की मदद से ऐसी जांच वास्तविक जीवन में संभव हो रही है।

न्याय मिलने में देरी का उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने एक माफिया के मामले का जिक्र किया, जिसने वर्ष 1980 में पहला अपराध किया था, लेकिन साक्ष्यों के अभाव और डीएनए सैंपल नष्ट होने के कारण उसे वर्ष 2022 में, यानी 42 साल बाद सजा मिल सकी। यह उदाहरण बताता है कि अपराध की जांच में वैज्ञानिक साक्ष्य कितने महत्त्वपूर्ण हैं और समय पर साक्ष्य जुटाना न्याय प्रक्रिया के लिए क्यों जरूरी है।

पाकिस्तान कश्मीर...

सम्मान पाने के लिए पैरों पर खड़ा होना होगाः जब तक आप अपने पैरों पर खड़े नहीं होते, तब तक आपको कभी सम्मान नहीं मिलेगा, मेरी यह बात याद रखना। अगर आप अपने पैरों पर खड़े होना चाहते हैं, तो सबसे पहले अपने रब को याद करें और उनके दिखाए रास्ते पर चलें। एकजुट होंगे तभी बच पाएंगेः बहुत से लोग आए और चले गए। हमने राजनीति में ऐसे बड़े-बड़े दिग्गजों को देखा है जिन्होंने हम पर जुल्म किए। याद रखें, जब तक आप एकजुट नहीं होंगे, तब तक आप कुछ भी हासिल नहीं कर पाएंगे।

हमारे बच्चे इतिहास को नहीं जानतेः आज हमारे बच्चे मोबाइल लेकर घूम रहे हैं लेकिन मां-बाप को पता नहीं कि वह क्या कर रहे हैं। जम्मू में नेशनल-कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और भाजपा जबकि कश्मीर में कितनी पार्टियां खड़ी की गईं? हर घर में पार्टी खड़ी की गई। बस पैसा आता है और वह अपना ईमान बेचने के लिए तैयार हैं।

सुप्रीम कोर्ट का पैनल...

ज्यादा लोगों की भागीदारी और गवाहों की सुरक्षा के लिए कमेटी ने ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया है। प्रभावित लोग, गवाह और दूसरे संबंधित पक्ष इस पोर्टल पर बयान, दस्तावेजी सबूत अपलोड कर सकते हैं।

पहले जारी सार्वजनिक नोटिस में कहा गया था कि ऑनलाइन पोर्टल सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने HPEC को गवाहों को पूरी सुरक्षा देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने उनकी पहचान गोपनीय रखने और उनके बयान व सबूतों को पूरी तरह गुप्त रखने को कहा है।

पैनल दोनों पक्षों की ओर से जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामलों की भी जांच करेगा।

पहले अधिकारियों ने सुनवाई दो दिन होने की बात कही थी।

बाद में उन्होंने साफ किया कि 29 अक्टूबर को सिर्फ एक दिन की सुनवाई होगी।

रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय पैनल बनाया गया है। पैनल में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व जज जस्टिस शालिंदर कौर, पूर्व CBI निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के रिटायर्ड DGP एलआर बिश्नोई शामिल हैं।

स्पेन की राजकुमारी ने अवॉर्ड दिया, पिछले महीने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लिया

लियोनेल मेसी को स्पेन का सबसे बड़ा खेल सम्मान

अवॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी को स्पेन का सबसे प्रतिष्ठित खेल सम्मान प्रिंसेस ऑफ ऑस्टुरियस अवॉर्ड दिया गया।

मेसी को स्पेन की राजकुमारी लियोनोर ने यह अवॉर्ड दिया। लियोनोर स्पेन के सिंहासन की उत्तराधिकारी हैं और उन्हीं के नाम पर ये पुरस्कार दिए जाते हैं।

अर्जेंटीना के 39 साल के फॉरवर्ड को जून में इस पुरस्कार का विजेता चुना गया था। जूरी ने उन्हें शानदार करियर और वंचित बच्चों के स्वास्थ्य-शिक्षा में मदद के लिए दिया गया।

खेल पुरस्कार जीतने वालों में टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स और राफेल नडाल शामिल हैं। मैराथन रिकॉर्डधारी एलियुड किपचोगे और अमेरिकी स्की खिलाड़ी लिंडसे वॉन भी इसके पिछले विजेता रहे हैं।

ब्रिटिश लेखक जूलियन बार्न्स, अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टीना कोच और पंक स्टार पैटी स्मिथ समेत अन्य विजेताओं को भी पुरस्कार मिला। मेसी को फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने आठ बॉलोन डी'ओर खिताब, एक विश्व कप और क्लब स्तर पर दर्जनों ट्रॉफियां जीती हैं।

मेसी अर्जेंटीना के सबसे ज्यादा गोल करने वाले, सबसे ज्यादा असिस्ट देने वाले और सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल करियर को विराम दिया। उन्होंने न्यू जर्सी में स्पेन के खिलाफ विश्व कप फाइनल हारने के बाद यह फैसला लिया। उन्होंने 31 अगस्त को एक सोशल पोस्ट के जरिए इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान किया।

फैंस अर्जेंटीना की जर्सी पहनकर समारोह में पहुंचे

दर्जनों प्रशंसक अर्जेंटीना की फुटबॉल जर्सी पहनकर समारोह में पहुंचे। मेसी के आने पर उन्होंने उनका नाम लेकर नारे लगाए। समारोह में बैगपाइप और ड्रम बजाए गए। मेसी को पुरस्कार के साथ पार्चमेंट पर लिखा औपचारिक प्रमाणपत्र दिया गया। लियोनोर ने उनके अनूठे करियर की तारीफ की।

उन्होंने कहा, 'मेसी ने खेल को समझकर और एक सेकंड के छोटे हिस्से में सबसे असरदार विकल्प चुनकर असाधारण को सामान्य बना दिया। उन्होंने अपने अहंकार से ऊपर टीम भावना को रखा।'

प्रिंसेस ऑफ ऑस्टुरियस अवॉर्ड्स की शुरुआत 1981 में हुई थी। इन्हें स्पेनिश भाषी दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में माना जाता है।

इसमें 50 हजार यूरो यानी 56 हजार डॉलर की राशि दी जाती है। पुरस्कार कला, विज्ञान और खेल समेत कई क्षेत्रों में दिए जाते हैं।

पाकिस्तान में 7 सितंबर से शुरू होगा महिला टी-20 वर्ल्डकप

भारत के मैच यूएई में कराने की तैयारी

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान में 7 सितंबर से 1 अक्टूबर 2028 तक महिला टी-20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा। 12 टीमों के इस टूर्नामेंट की मेजबानी पहली बार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) को मिली है।

पाकिस्तान चाहता है कि भारत के मुकाबलों को छोड़कर टूर्नामेंट के बाकी मैच उसके यहां हों। भारत के मैच UAE में कराए जा सकते हैं। इसकी वजह भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से चला आ रहा राजनीतिक तनाव और ICC का हाइब्रिड मॉडल है।

भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव के कारण दोनों देशों की टीमें 2012 के बाद से एक-दूसरे के यहां द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलतीं। भारत ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद ICC ने 19 दिसंबर 2024 को हाइब्रिड मॉडल की पुष्टि की थी। इसके तहत, जब भारत या पाकिस्तान ICC टूर्नामेंट की मेजबानी करता है, तो दूसरे देश के मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर कराए जाते हैं। इस व्यवस्था का पहला बड़ा उदाहरण 2025 चैंपियंस ट्रॉफी रही। पाकिस्तान मेजबान था, लेकिन भारतीय टीम ने अपने सभी मैच दुबई में खेले। भारत ने फाइनल भी दुबई में ही जीता। UAE भारत के मैचों के लिए संभावित विकल्प है। पाकिस्तान से दुबई की कम दूरी के कारण खिलाड़ियों की यात्रा, होटल और परिवहन के इंतजाम आसान हो सकते हैं।

राहुल-सुदर्शन खाता नहीं खोल सके, साइमन कीन ने 5 विकेट लिए

इंडिया-ए की पहली पारी 113 रन पर सिमटी

लिंकन (न्यूजीलैंड), एजेंसी

इंडिया ए की टीम लिंकन में चल रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट की पहली पारी में 113 रन पर सिमट गई। शनिवार को न्यूजीलैंड-ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। भारत के 5 बल्लेबाज खाता नहीं खोल सके। इनमें केएल राहुल, साई सुदर्शन, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप और मुकेश चौधरी के नाम शामिल हैं। पहले दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने 3 विकेट पर 135 रन बना लिए हैं।

लगातार विकेट गिरने के बीच यश राठौड़ ने 44 रन की पारी खेली। उन्होंने 3 छक्के और 3 चौके लगाए। दूसरे छोर से उन्हें ज्यादा साथ नहीं मिला।

न्यूजीलैंड-A की ओर से साइमन कीन सबसे सफल गेंदबाज रहे।

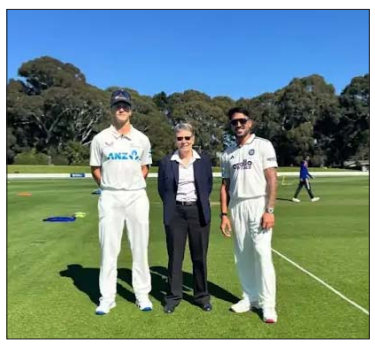

उन्होंने इंडिया-A की पहली पारी में 5 विकेट लिए। इस मुकाबले में भारत A की प्लेइंग-11 में सीनियर टेस्ट टीम के वाशिंगटन सुंदर, अंशुल कंबोज और आकाश दीप भी शामिल हैं। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल भी टीम का हिस्सा हैं। न्यूजीलैंड-ए के कप्तान राइस मारियू ने पहली पारी में 137 गेंदों पर 76 रन बनाए। उन्होंने 12 चौके लगाए। मुकेश चौधरी ने उन्हें LBW आउट किया। कर्टिस हेफी 108 गेंदों पर 37 रन बनाकर नाबाद हैं।

इंडिया-ए की शुरुआत खराब रही। यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे केएल राहुल 8 गेंद खेलने के बाद बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद जायसवाल और देवदत्त पडिक्कल ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच 30 रन की साझेदारी हुई।

जायसवाल 17 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए साई सुदर्शन भी खाता नहीं खोल सके। साइमन कीन ने उन्हें बोल्ड किया। कप्तान ध्रुव जुरेल भी 1 रन बनाकर कीन का शिकार बने।

जयवर्धने की जगह लेंगे, पिछले 16 साल से फ्रेंचाइजी से जुड़े, उन्होंने टीम की ओर से 5 आईपीएल टाइटल जीते हैं

किरोन पोलार्ड मुंबई इंडियंस के हेड कोच बने

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर किरोन पोलार्ड IPL 2027 के लिए मुंबई इंडियंस के हेड कोच बनाए गए हैं।

फ्रेंचाइजी ने शनिवार, 24 अक्टूबर को इसकी घोषणा की। 39 साल के पोलार्ड पिछले 16 साल से मुंबई की टीम से जुड़े हुए हैं। वे 2009-2010 में टीम से जुड़े थे और 2022 तक सिर्फ मुंबई इंडियंस के लिए खेलते रहे। उन्होंने टीम की ओर से 5 IPL टाइटल जीते हैं। 52 साल के जोन्स राजस्थान रॉयल्स के साथ भी काम कर चुके हैं। वे 2019 में टीम के फास्ट बॉलिंग कोच थे। IPL 2022 से पहले उन्हें राजस्थान ने हाई-परफॉर्मेंस फास्ट बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी सौंपी थी। जोन्स हाल ही में भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के साथ काम कर चुके हैं। उन्होंने रेड्डी की गेंदबाजी की रफ्तार बढ़ाने में मदद की। पहले रेड्डी 120 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी करते थे, लेकिन अब उनकी रफ्तार लगातार 130 किमी/घंटा से ज्यादा रहती है।

मुंबई को पिछले 6 साल से टाइटल का इंतजार है। टीम ने पिछला खिताब 2020 में जीता था। 2026 के सीजन में हार्दिक पंड्या की कप्तानी में टीम 6वें स्थान पर रही थी।

- पोलार्ड श्रीलंका के महेला जयवर्धने की जगह लेंगे। महेला जयवर्धने ने 17 अक्टूबर को हेड कोच का पद छोड़ दिया था।
- मुंबई इंडियंस ने कहा कि पोलार्ड की नियुक्ति टीम की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए है। वे टीम के बैटिंग कोच भी रह चुके हैं।
- पोलार्ड ने 2022 में अपना आखिरी आईपीएल मैच खेला था। उन्होंने मुंबई के लिए 189 आईपीएल मैचों में पोलार्ड ने 3,412 रन बनाए।
- पोलार्ड का स्ट्राइक रेट 147.32 और औसत 28.67 रहा। उन्होंने 16 अर्धशतक लगाए। पोलार्ड ने 69 विकेट भी लिए।

मुंबई इंडियंस ने स्टेफन जोन्स को बॉलिंग कंसल्टेंट बनाया

मुंबई इंडियंस ने IPL 2027 के लिए स्टेफन जोन्स को बॉलिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया है। वे टीम के डेवलपमेंट स्क्वॉड के साथ काम करेंगे। उनके साथ जुबिन भरूचा भी होंगे, जिन्हें फ्रेंचाइजी ने डायरेक्टर ऑफ परफॉर्मेंस बनाया है। दोनों की जिम्मेदारी घरेलू सीजन के दौरान भारतीय खिलाड़ियों की गेंदबाजी में सुधार करना होगी।

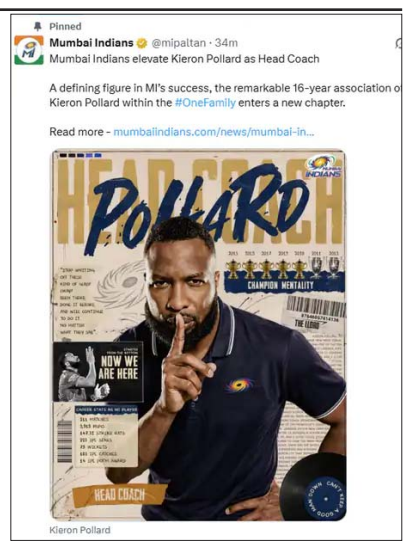

मनोरंजन

'जुबली' से मिली पहचान, दो बड़े प्रोजेक्ट बंद हुए और एक्टिंग छोड़ने का मन बनाया

वामिका गब्बी से कहा गया 'तुम्हें कोई हीरोइन नहीं लेगा'

नई दिल्ली। एक वक्त वामिका गब्बी को लगता था कि शायद वे एक्टिंग के लिए नहीं बनी हैं। लगातार रिजेक्शन मिल रहे थे और अच्छे रोल नहीं मिल रहे थे। मुंबई में करीब 6-7 साल बिताने के बाद भी करियर उस मुकाम पर नहीं पहुंचा था, जिसका उन्होंने सपना देखा था।

एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उनसे कहा गया कि अपने हुनर पर काम करो, क्योंकि तुम्हें कोई हीरोइन नहीं लेगा। इसी बीच नेटफ्लिक्स की दो सीरीज- 'बाहुबलीः बिफोर द बिगिनिंग' और 'मिडनाइट्स चिल्ड्रन' से जुड़ने का मौका मिला, लेकिन दोनों प्रोजेक्ट पर्दे तक नहीं पहुंच पाए। हालांकि, एक अधूरी सीरीज ने उनके करियर की दिशा बदल दी।

विशाल भारद्वाज की वर्कशॉप ने उन्हें एक्टिंग का नया नजरिया दिया, जबकि विक्रमादित्य मोटवानी की 'जुबली' से उन्हें हिंदी दर्शकों के बीच पहचान मिली। आज वामिका बड़े सितारों के साथ फिल्मों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में नजर आ रही हैं। वामिका गब्बी का जन्म 29 सितंबर 1993 को चंडीगढ़ में हुआ। उनके पिता गोवर्धन गब्बी पंजाबी लेखक हैं। साहित्य और कला के माहौल में पली-बढ़ीं वामिका को बचपन से अभिनय में दिलचस्पी थी। उनके पिता मजाक में उन्हें ड्रामेबाज कहते थे। 2007 में रिलीज इम्तियाज अली की फिल्म 'जब वी मेट' वामिका के करियर की शुरुआती फिल्मों में शामिल थी। फिल्म में शाहिद कपूर और करीना कपूर लीड रोल में थे। वामिका ने करीना के किरदार गीत की कजिन का छोटा-सा रोल निभाया था। सिनेमा एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में वामिका ने बताया था कि 'जब वी मेट' की शूटिंग के दौरान वे आठवीं क्लास में थीं। फिल्म के निर्देशक इम्तियाज अली आज भी उन्हें 'छोटी वाली' कहकर बुलाते हैं। उन्होंने बताया कि इम्तियाज ने 'जुबली' देखकर उनके अभिनय की तारीफ की, तो यह उनके लिए बेहद खास पल था। पहली फिल्म में छोटा रोल मिलने के बाद वामिका ने अभिनय जारी रखा। वे 'लव आज कल' (2009), 'मौसम' (2011) और 'बिट्टू बॉस' (2012) में नजर आईं। हालांकि, इन फिल्मों से उन्हें करियर को नई ऊंचाई देने वाली पहचान नहीं मिली।

'खुफिया' में चारु से लेकर 'चार्ली चोपड़ा' में जासूस तक, वामिका गब्बी ने हर किरदार में दिखाई अपनी अभिनय की रेंज।

वामिका अपने अभिनय से संतुष्ट नहीं थीं और उन्हें लगने लगा था कि शायद कुछ और करना चाहिए।

कम उम्र में फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने वाले किसी भी कलाकार के लिए भविष्य को लेकर ऐसी टिप्पणी सुनना आसान नहीं होता। वामिका की कहानी ऐसे बयानों तक सीमित नहीं है। करियर में कई बार उन्हें अपने काम पर दोबारा विचार करना पड़ा। कभी सही रोल नहीं मिले, तो कभी अच्छे प्रोजेक्ट्स बनने से पहले ही बंद हो गए।

'जुबली' में नीलोफर बनकर छाईं वामिका गब्बी, इसी सीरीज से मिली हिंदी दर्शकों के बीच खास पहचान। दिलचस्प बात ये है कि जिस किरदार ने उन्हें पहचान दिलाई, उसके लिए वामिका को शुरुआत में रिजेक्शन झेलना पड़ा था।

'तुम्हें कोई हीरोइन नहीं लेगा', कम उम्र में सुननी पड़ी यह बात

वामिका के शुरुआती करियर का एक किस्सा उनके संघर्ष को दिखाता है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि शुरुआती फिल्मों में से एक की शूटिंग के दौरान उनकी उम्र करीब 16-17 साल थी। पूरी टीम डिनर के लिए बैठी थी। तभी एक शख्स उनके पास आया और कहा- अपने क्राफ्ट पर काम करो, अच्छी एक्टर बनना, क्योंकि तुम्हें कोई हीरोइन तो लेगा नहीं।

टाइगर पर हमले से पहले शूटर्स ने की प्रैक्टिस

आरे जंगल में 3-4 दिन निशाना लगाना सीखा

नई दिल्ली। टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में तीनों संदिग्ध शूटर 31 अक्टूबर तक पुलिस रिमांड में हैं। क्राइम ब्रांच को जांच में पता चला है कि उन्होंने वारदात से पहले आरे के जंगल में शूटिंग प्रैक्टिस की थी। पुलिस के मुताबिक, ऋतिक, रेहान अंसारी और फूल सिंह ने 3 से 4 दिन तक रोजाना दो से ढाई घंटे अभ्यास किया। इसके बाद उन्होंने रविवार शाम टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग की।

इस मामले में तीनों संदिग्ध शूटर्स समेत अब तक 10 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने बताया कि उन्होंने मुंबई की आरे कॉलोनी के घने जंगल में फायरिंग की प्रैक्टिस की थी। रेहान को छोड़कर फूल सिंह और ऋतिक को पिस्टल चलाने का अनुभव नहीं था। पुलिस आरे कॉलोनी के जंगल में जाने वाले छह रास्तों के CCTV फुटेज खंगाल रही है।

प्रैक्टिस के दौरान पहले तीनों एयरगन से फायरिंग करते थे। बाद में एक ने असली पिस्टल से दो राउंड और दूसरे ने एक राउंड फायर किया। फायरिंग में इस्तेमाल किया जाने वाला असली हथियार उन्हें 17 अक्टूबर को होटल में मिला था। उसी शाम तीनों आरे कॉलोनी के जंगल में सुनसान जगह पहुंचे और फायरिंग का अभ्यास किया।

जांच में सामने आया है कि हथियार 'डेड लेटर बॉक्स' तरीके से अमृतसर से लाए गए थे। गिरफ्तार आरोपी राधा और बबीता के जरिए इन्हें ट्रेन से मुंबई पहुंचाया गया। यह काम लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित के कहने पर जतिन ने किया था। जतिन, समीर और अंकित के साथ अमृतसर भी गया था।

स्मिता जयकर बोलीं- रिया चक्रवर्ती ने मैसेज किया था, 'वह फिर कमजोर पड़ रहे हैं'

सुशांत सिंह राजपूत का डिप्रेशन का इलाज चल रहा था : स्मिता जयकर

नई दिल्ली। एक्ट्रेस स्मिता जयकर ने हाल ही में बताया कि सुशांत सिंह राजपूत का मुंबई के हिंदुजा हॉस्पिटल में डिप्रेशन का इलाज चल रहा था। वह उनसे मिलने अस्पताल गई थीं।

स्मिता के मुताबिक, रिया चक्रवर्ती ने उनसे आध्यात्मिक उपचार के लिए संपर्क किया था।

दरअसल, स्मिता ने सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में कहा, "सुशांत जब हिंदुजा अस्पताल में भर्ती थे, तब मैं उन्हें हीलिंग देने भी गई थी। उनका डिप्रेशन का इलाज चल रहा था।"

उन्होंने बताया, "रिया ने मुझे फोन किया था। मैंने उसके साथ 'सोनाली केबल' में काम किया था। हमने पहले इन चीजों पर बात की थी। मैंने रिया से कहा था कि मैं सुशांत से मिलने आऊंगी।"

स्मिता ने यह भी बताया कि मुलाकात के दौरान उन्होंने सुशांत को गले लगाया था। उन्होंने कहा, "मैंने उन्हें कसकर गले लगाया था। एक्टर के तौर पर मैं उन्हें हमेशा पसंद करती थी।" स्मिता ने कहा कि सुशांत की मौत की खबर सुनकर उन्हें लगा कि वह उनकी मदद कर सकती थीं। उन्होंने कहा, "जब मुझे उनकी मौत के बारे में पता चला, तो मैंने सोचा- वह मेरे पास क्यों नहीं आए? उन्होंने दोबारा मुझसे संपर्क क्यों नहीं किया? मैं उनकी मदद कर सकती थी।" इंटरव्यू में स्मिता ने सुशांत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती पर हुई जांच और आलोचना का भी जिक्र किया।

सास 2014 में आई फिल्म 'सोनाली केबल' में स्मिता जयकर ने मीना ताई पवार का किरदार निभाया था।

आश्रम आने की योजना नहीं हो सकी

स्मिता ने बताया कि वह सुशांत को अपने आश्रम ले जाने की योजना बना रही थीं। सुशांत भी वहां एक प्रक्रिया में शामिल होने के लिए तैयार थे। उन्होंने कहा, "उस समय वह शायद दवाइयां ले रहे थे। उन्होंने मुझसे बहुत अच्छे से बात की और खुश नजर आए।" स्मिता ने आगे कहा, "मैं उन्हें आश्रम लाने वाली थी। वह भी वहां की एक प्रक्रिया में शामिल होने के लिए तैयार थे।" उन्होंने बताया, "उस रात रिया ने मुझे मैसेज किया- 'स्मिता, वह फिर कमजोर पड़ रहे हैं।'

अगस्त में मक्का रक्षा समझौता साइन किया था, पाकिस्तान-अमेरिका ने भी दूरी बनाई

तुर्किये हूती विद्रोहियों के खिलाफ सऊदी की नहीं करेगा मदद

निर्णय

अंकारा/रियाद, एजेंसी

तुर्किये के रक्षा मंत्री यासर गुलर ने कहा है कि उनका देश हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ाई में शामिल नहीं होगा। गुलर ने एक इंटरव्यू में कहा कि तुर्किये का मकसद सऊदी अरब की सुरक्षा मजबूत करना और दुश्मनों को हमला करने से रोकना होगा।

यह बयान ऐसे समय सामने आया है जब अगस्त में ही तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान ने मक्का रक्षा समझौते पर साइन किया था। इसके तहत एक पर हमला तीनों पर माना जाएगा। इससे पहले पाकिस्तान और अमेरिका भी सऊदी को मदद देने से इनकार कर चुके हैं। यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने कहा था कि उसकी सेना किसी दूसरे देश की जमीन पर युद्ध में शामिल नहीं होगी।

वहीं रॉयटर्स के मुताबिक सऊदी अरब ने सीधे अमेरिकी सैन्य हमले की मांग की थी, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इससे इनकार कर दिया।

इस महीने इस महीने हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के बड़े एयरपोर्ट और दूसरी अहम जगहों पर मिसाइलों और अन्य हथियारों से हमले किए हैं। इन हमलों में कम से कम 23 लोगों की मौत हुई है और 370 घायल हुए हैं।

6 अक्टूबरः जजान और नजरान के एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया। साथ ही दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को सऊदी एयर डिफेंस ने रोकने का दावा किया।

7 अक्टूबरः रियाद और अभा एयरपोर्ट पर हमले हुए। सऊदी अधिकारियों के मुताबिक तीन विदेशी नागरिकों की मौत हुई और 36 लोग घायल हुए।

8 अक्टूबरः रियाद एयरपोर्ट पर एक और हमला हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, तीन सऊदी नागरिकों की मौत हुई। सरकारी एयर-लाइन सऊदिया का एक विमान भी क्षतिग्रस्त हुआ।

10 अक्टूबरः रियाद एयरपोर्ट पर मिसाइल हमले में 1 भारतीय नागरिक समेत 13 लोगों की मौत हुई और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए। इसके बाद एयरपोर्ट पर उड़ानें रोकनी पड़ीं।

रियाद एयरपोर्ट पर 10 अक्टूबर को हुए हमले का वीडियो। इस हमले में 13 लोगों की मौत हुई थी जबकि 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

रियाद एयरपोर्ट पर 10 अक्टूबर को हुए हमले का वीडियो।

2015 से जारी है सऊदी और हूतियों की लड़ाई

यमन में हूतियों ने 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद 2015 में सऊदी अरब ने कई देशों के साथ मिलकर उनके खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया।

सऊदी अरब चाहता था कि यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार दोबारा सत्ता में आए और हूतियों का कब्जा खत्म हो।

इसके बाद कई साल तक यमन में हवाई हमले होते रहे। लेकिन हूतियों को पूरी तरह पीछे धकेलने में सऊदी गठबंधन कामयाब नहीं हो पाया।

हूती अब भी यमन के बड़े हिस्से में अपनी पकड़ बनाए हुए हैं। उनकी लड़ाई का असर अब सऊदी अरब की सुरक्षा पर भी पड़ रहा है।

गुलर बोले- सऊदी की मांग पर मदद का फैसला करेंगे

गुलर ने कहा कि सऊदी अरब की मांग पर तुर्किये सैन्य मदद देने पर विचार करेगा। इससे तय होगा कि सऊदी को किस तरह की और कितनी मदद दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि मदद के दायरे पर फैसला लेने से पहले तुर्किये की संसद से समझौते को मंजूरी मिलनी जरूरी है। इसके बाद कानूनी प्रक्रियाओं और संसद की अनुमति के मुताबिक आगे का फैसला लिया जाएगा।

दरअसल, मक्का रक्षा समझौते को अब तक तुर्किये की संसद में मंजूरी नहीं मिली है। इसे 21 अक्टूबर को संसद में पेश किया गया है और फैसला अभी बाकी है।

तुर्किये के रक्षा मंत्री यासर गुलर। (फाइल फोटो)

रिपोर्ट- ट्रम्प सरकार ने हूती विद्रोहियों से सीक्रेट डील की

एक्सिओस की पिछले महीने की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने यमन के हूती विद्रोहियों के साथ सीक्रेट डील की है। इस डील के तहत हूतियों ने अमेरिका को भरोसा दिया है कि वे लाल सागर में अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय जहाजों को निशाना नहीं बनाएंगे।

यह डील पिछले महीने ओमान की राजधानी मस्कट के अमेरिकी दूतावास में हुई थी। इसमें हूती प्रतिनिधियों ने भरोसा दिया था कि वे सऊदी अरब के अलावा दूसरे जहाजों को बाब अल-मंदेब से गुजरने देंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी कहा था कि अमेरिका हूतियों के साथ सीधे बातचीत कर रहा है। हालांकि, किसी औपचारिक गुप्त समझौते की सार्वजनिक पुष्टि नहीं हुई थी।

फास्ट न्यूज

अंतरिक्ष यात्री डॉन पेटिट ने फिशआई लेंस से कैमरे में कैद किया ऑरोरा

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री डॉन पेटिट ने अंतरिक्ष से पृथ्वी पर दिखने वाली 'ऑरोरा' की बेहद अनोखी और दुर्लभ तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर को एक खास फिशआई लेंस के जरिए खींचा गया है, जिससे हमारी पृथ्वी एक चमकते हुए हरे गोले की तरह नजर आ रही है। रंग-बिरंगी रोशनी के इस अद्भुत नजारे ने लोगों को हैरान कर दिया है।

बुर्किना फासो में कानूनों को लेकर बड़ा बदलाव

औगाडौगू। पश्चिमी अफ्रीकी देश बुर्किना फासो इन दिनों अपने दो बड़े और कड़े फैसलों को लेकर चर्चा में है। वजह है कैप्टन इब्राहिम त्रोर के नेतृत्व वाली देश की सैन्य सरकार ने आतंकवाद और देशद्रोह जैसी गंभीर वारदातों से निपटने के लिए मौत की सजा को दोबारा बहाल कर दिया है। इसके साथ ही, देश में ब्यूटी पेजेंट यानी सौंदर्य प्रतियोगिताएं पर भी रोक लगा दी गई है। 20 अक्टूबर 2026 को देश की ट्रांजिशनल पार्लियामेंट ने सर्वसम्मति से नए दंड संहिता को मंजूरी दी। इसमें सभी 71 सांसदों ने मौत की सजा के समर्थन में वोट किया।

रूस से तनाव के बीच आर्कटिक क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाएगा यूरोपीय संघ

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ आर्कटिक क्षेत्र में सुरक्षा मजबूत करेगा। इसके लिए संघ ने नई रणनीति पेश की गई है। जलवायु परिवर्तन की वजह से बर्फ तेजी से पिघल रही है और आर्कटिक में नए समुद्री मार्ग खुल रहे हैं। इसलिए उपग्रहों की निगरानी बढ़ाने, पाइपलाइनों की सुरक्षा और समुद्र के नीचे बिछी संचार केबलों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता होगी।

'250% टैरिफ की धमकी देकर भारत-पाकिस्तान जंग रुकवाई'

ट्रम्प फिर बोले-दोनों से कहा था लड़ाई नहीं रोकी तो अमेरिका से कारोबार बंद कर दूंगा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रुकवाने के लिए दोनों देशों को 250% टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों से साफ कह दिया था कि अगर लड़ाई नहीं रोकी, तो अमेरिका उनके साथ कारोबार बंद कर देगा। उनके मुताबिक, उनकी इस चेतावनी के बाद भारत और पाकिस्तान ने गोलीबारी बंद कर दी।

ट्रम्प ने फ्लोरिडा में एक चुनावी रैली के दौरान कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु हथियार वाले देश हैं। उन्होंने दोनों देशों से कहा था कि अगर वे लड़ाई जारी रखेंगे, तो अमेरिका उनके सामान पर भारी टैरिफ लगाएगा।

उन्होंने दावा किया कि उनकी चेतावनी से दोनों देश बहुत नाराज हुए, लेकिन उन्होंने गोलीबारी रोक दी और युद्ध खत्म हो गया। ट्रम्प ने कहा, "जंग के दौरान 11 विमान गिराए गए थे। मैंने इसे रुकवाया है और ऐसा करना मेरे लिए सम्मान की बात है।" भारत ने लगातार किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार किया है। भारत के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति तब बनी, जब पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (DGMO) ने संपर्क किया और कार्रवाई रोकने की मांग की। साथ ही, भारत ने ट्रम्प के इस दावे को लगातार खारिज किया है कि भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के दौरान 11 विमान गिराए गए थे। भारत यह भी साफतौर पर कह चुका है कि दोनों देशों के बीच सीजफायर कराने में किसी तीसरे देश की मध्यस्थता नहीं थी। भारत ने पिछले साल 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी। इस अभियान का मकसद पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के ठिकानों को नष्ट करना था।

इस साल हवा में विमान टकराने का यह पांचवां बड़ा हादसा

फिलीपींस में 2 ट्रेनी विमान टकराए, 4 पायलट की मौत

दुर्घटना

मनीला, एजेंसी

फिलीपींस में शुक्रवार को ट्रेनिंग के दौरान वायुसेना के दो विमानों में टक्कर हो गई। हादसे में दोनों विमानों के चार पायलट की मौत हो गई। दोनों विमान दोपहर 3:51 बजे मनीला के दक्षिण में लीपा शहर के फर्नांडो एयर बेस में गिरे।

हादसे के बाद फिलीपीन वायुसेना ने SF-260 विमानों की उड़ान पर रोक लगा दी है। यह रोक जांच पूरी होने तक जारी रहेगी।

इस साल हवा में विमान टकराने का दुनिया का यह पांचवां बड़ा हादसा है। दोनों विमान हवा में टकराने के बाद एयर बेस के अंदर गिरे। दोनों विमान हवा में टकराने के बाद एयर बेस के अंदर गिरे।

मई में 2 पायलट की मौतः उत्तरी फिलीपींस के पहाड़ी इलाके में SF-260 ट्रेनर विमान दुर्घट-नाग्रस्त हो गया था। हादसे में दो पायलट की मौत हुई थी।

2023 में भी विमान गिरा थाः ट्रेनिंग फ्लाइट के दौरान SF-260 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें भी दो पायलट की जान गई थी।

दोनों विमान हवा में टकराने के बाद एयर बेस के अंदर गिरे।

विमान के टुकड़े सैन्यकर्मियों के बैरक के पास गिरे

एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, दोनों SF-260 विमान कम ऊंचाई पर उड़ रहे थे। इसी दौरान वे टकरा गए। एक विमान के टुकड़े सैन्यकर्मियों के बैरक के पास गिरे। SF-260 विमान इटली से खरीदे गए थे। फिलीपींस की सेना लंबे समय से पैसों की कमी के कारण अपने लड़ाकू विमानों, नौसेना और थलसेना को आधुनिक बनाने में मुश्किलों का सामना कर रही है।

ईरान से 17 अक्टूबर से सप्लाई बंद, वहीं से 50% गैस आती है, ईरान ने इसकी तकनीकी वजह बताई

पाकिस्तान में एलपीजी सिलेंडर सात हजार रुपए का मिल रहा

इस्लामाबाद/तेहरान, एजेंसी

पाकिस्तान में LPG सिलेंडर की कीमत बढ़ गई है। 12 किलो के सिलेंडर की कीमत कुछ ही दिनों में 4500 पाकिस्तानी रुपए से बढ़कर 7000 रुपए हो गई है।

दरअसल, ईरान से पाकिस्तान को होने वाली LPG की सप्लाई रुक गई है। दोनों देशों के बीच दो अहम सीमा चौकियां 17 अक्टूबर से बंद हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, दोनों देशों ने इसकी अलग-अलग वजह बताई हैं। पाकिस्तान ने बताया की उसने सुरक्षा चिंता और तस्करी रोकने के लिए यह सीमा बंद की है। वहीं, ईरान ने इसकी तकनीकी वजह बताई है।

पाकिस्तान के तेल और गैस नियामक प्राधिकरण (OGRA) ने 11.8 किलो के घरेलू LPG सिलेंडर की कीमत 3296 पाकिस्तानी रुपए तय की है। इसके बावजूद बाजार में सिलेंडर सरकारी कीमत से दोगुने से भी ज्यादा दाम पर बेचे जा रहे हैं। पाकिस्तान LPG एसोसिएशन के अध्यक्ष इरफान खोखर के मुताबिक, बलूचिस्तान में 12 किलो का सिलेंडर करीब 7000 रुपए, लाहौर में 7500 रुपए और स्कर्दू में 8200 रुपए तक में बिक रहा है।

पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने कहा कि सरकार खुद LPG आयात करके बाजार में उपलब्ध कराएगी। उन्होंने अगले 2 से 3 दिनों में कीमतों में सुधार शुरू होने की उम्मीद जताई।

जियो न्यूज के एक कार्यक्रम में मलिक ने कहा कि LPG की कीमत 400 से 425 पाकिस्तानी रुपए प्रति किलो के बीच होनी चाहिए। उन्होंने ज्यादा दाम वसूलने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार LPG की कीमत तय करने की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाएगी। मलिक ने दावा किया कि बाजार और स्थानीय LPG की कीमतों के अंतर से करीब 30 अरब पाकिस्तानी रुपए का फर्क पड़ रहा है।

पाकिस्तान अपनी कुल एलपीजी जरूरत का करीब 50% हिस्सा ईरान से आयात करता है। ऐसे में सप्लाई रुकने से आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

पाकिस्तान में एक शख्स सिलेंडर उठाकर ले जाता हुआ।

ओमान और इराक से भी आयात प्रभावित

पाकिस्तान अपनी LPG जरूरत का करीब 70% हिस्सा विदेशों से आयात करता है। ईरान के अलावा इराक और ओमान से भी गैस आती है। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक के मुताबिक, देश में हर दिन करीब 6500 से 7000 टन LPG की जरूरत होती है। इसमें से 2000 से 2500 टन गैस देश में तैयार होती है, जबकि बाकी जरूरत आयात से पूरी की जाती है।

लेकिन होर्मुज स्ट्रेट में ईरान जंग के कारण आई रुकावट से इन इराक और ओमान से होने वाला आयात भी प्रभावित हुआ है।

वानुआतू में एक के बाद एक तीन शक्तिशाली भूकंप

पोर्ट विला, एजेंसी

वानुआतू द्वीप समूह के पास आज शनिवार को एक के बाद एक कई भूकंप आए। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) ने इस क्षेत्र में 7.2, 6.9 और 6.3 तीव्रता के भूकंप दर्ज किए हैं। एजेंसियों से मिली जानकारी में, इन शक्तिशाली भूकंप के झटकों से फिलहाल किसी के हताहत होने या किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। USGS ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके बताया कि वानुआतू के सोला से लगभग 200 किलोमीटर पश्चिम में 7.2 तीव्रता का भूकंप आया। एजेंसी ने यह भी बताया कि पोर्ट-ओल्री से लगभग 197 किलोमीटर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में 6.9 तीव्रता का और पोर्ट-ओल्री से लगभग 170 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (NCS) ने शनिवार सुबह वानुआतू द्वीप समूह में 6.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया। NCS ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि यह भूकंप भारतीय मानक समय (IST) के अनुसार सुबह 8:01 बजे आया और इसका केंद्र 20 किलोमीटर की गहराई पर था।

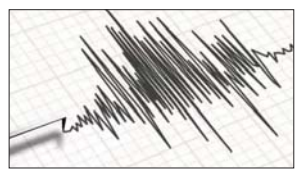

- वानुआतू में 7.2, 6.9 और 6.3 तीव्रता के तीन शक्तिशाली भूकंप।
- अमेरिकी और भारतीय एजेंसियों ने भूकंप के झटकों की पुष्टि की।
- इन झटकों से किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं।

धमकी : तेहरान बोला- ऐसा किया तो समुद्र में बिछी इंटरनेट केबल काट देंगे, इससे बैंकिंग-क्लाउड सर्विस पर असर

ट्रम्प की ईरान पर फिर हमले की धमकी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को फिर हमला करने की धमकी दी है। उन्होंने शुक्रवार को फ्लोरिडा में एक रैली के दौरान कहा, 'हम एक और छोटा ऑपरेशन एपिक फ्यूरी कर सकते हैं।'

अमेरिकी सेना ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ जंग शुरू की थी। इसे 'एपिक फ्यूरी' नाम दिया गया था। हालांकि, ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि दोबारा हमला कब या किस तरह का होगा।

वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका और इजराइल ने दोबारा हमला किया तो वह खाड़ी देशों में समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल को निशाना बनाएगा। इससे इंटरनेट सेवाओं, बैंकिंग और ऑनलाइन कारोबार पर असर पड़ सकता है। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया कि जिन जगहों को निशाना बनाया जा सकता है, उनमें ईरान के ऊर्जा ठिकाने, परमाणु केंद्र और मिसाइल-ड्रोन का भंडार शामिल हैं।

फ्रांस के विदेश मंत्री ज्यां-नोएल बारो ने भी तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाई से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच टकराव बढ़ने से किसी को फायदा नहीं होगा और तेल-गैस की कीमतों पर गंभीर असर पड़ सकता है। जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वाडेफुल ने कहा कि जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन ईरान के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं, ताकि वह परमाणु हथियार हासिल न करे।

ट्रम्प बोले- युद्ध जल्दी खत्म कर सकते हैं

इससे पहले ट्रम्प ने व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से कहा,हम इस जंग को बहुत जल्दी खत्म कर सकते हैं। सवाल यह है कि क्या हम इसे पूरी तरह खत्म करना चाहते हैं या इसे धीरे-धीरे कमजोर पड़ने देना चाहते हैं। ट्रम्प ने यह भी कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से तेल की आवाजाही जारी है। यह समुद्री रास्ता दुनिया में तेल की सप्लाई के लिए बेहद अहम है। उन्होंने कहा, 'हमें वह सब मिल रहा है जो हम चाहते हैं।'

फ्रांस और तुर्किये ने नए हमले के खिलाफ चेताया

ईरान पर दोबारा सैन्य कार्रवाई की आशंका के बीच कई देशों के विदेश मंत्रियों ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि इससे युद्ध पूरे क्षेत्र में फैल सकता है और आर्थिक नुकसान बढ़ सकता है। तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने कहा कि ईरान पर नया हमला तनाव बढ़ाएगा और युद्ध को दूसरे देशों तक फैला सकता है। उन्होंने कहा कि संघर्ष खत्म करने का रास्ता बातचीत और कूटनीति ही है।

ट्रम्प ने शुक्रवार को एक चुनावी रैली के दौरान कहा कि ईरान अगर डील नहीं करता तो एक और ऑपरेशन एपिक फ्यूरी हो सकता है।

ट्रम्प ने कहा था- हम मिडटर्म चुनाव से पहले हमला नहीं करेंगे

ट्रम्प युद्ध को खत्म करने की समयसीमा को लेकर पहले भी अलग-अलग बयान दे चुके हैं। अक्टूबर की शुरुआत में उन्होंने कहा था कि अमेरिका 3 नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले ईरान पर हमला नहीं करेगा।

इन चुनावों से तय होगा कि अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में किस पार्टी का नियंत्रण रहेगा।

फ्रांस में आज फिर प्रदर्शन फुटबॉल मैच टला

हिंसा रोकने के लिए 70 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस में पिछले हफ्ते हुई हिंसा के बाद आज फिर देशभर में महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन होंगे। हिंसा और लूटपाट रोकने के लिए देशभर में करीब 70 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। इनके साथ पुलिस की विशेष टीमें, करीब 20 बख्तरबंद वाहन और पानी की बौछार करने वाले 15 वाहन भी तैनात रहेंगे।

पिछले शनिवार को 5 लाख से ज्यादा लोग प्रदर्शन करने सड़कों पर उतरे थे। प्रदर्शन के दौरान दुकानों में तोड़फोड़ हुई, लूटपाट की गई और गाड़ियों में आग लगाई गई। अब तक 2,700 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

हालात को देखते हुए कई शहरों में कर्फ्यू लगाया गया है और लोगों के इकट्ठा होने पर रोक है। पेरिस का लूव्र म्यूजियम बंद रहेगा, जबकि पेरिस सेंट-जर्मेन और लियोन के बीच फुटबॉल मैच भी टाल दिया गया है। स्कूलों की खराब हालत को लेकर शुरू हुआ यह आंदोलन अब महंगाई, बढ़ते खर्च और सरकारी सुविधाओं में कटौती के खिलाफ भी फैल गया है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। एक महीने से ज्यादा समय पहले स्कूलों की हालत को लेकर प्रदर्शन शुरू होने के बाद यह उनकी छात्र संगठनों के साथ पहली सीधी बैठक थी। मैक्रों ने कहा था कि वीकेंड पर सिर्फ मजदूर संगठनों के प्रदर्शनों को मंजूरी दी जाएगी।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96